● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 168, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार , 27 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

न्याय दिलाने में कांग्रेस खरी नहीं उतरी : मायावती 5

टिम डेविड ने रचा इतिहास 6

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए पीएम

माले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि पीएम नरेंद्र मोदी का मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने गर्मजोशी से स्वागत किया और आभार जताया। मालदीव की राजधानी माले में रिपब्लिक स्क्वायर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने मुइज्जू के साथ मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 50 मिनट से अधिक समय के कार्यक्रम को देखा। समारोह में सैन्य परेड और बच्चों एवं पारंपरिक कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

समारोह के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि सभी मालदीववासियों की ओर से मैं प्रधानमंत्री मोदी को इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अवसर पर मालदीव आने के मेरे निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी एक अद्भुत व्यक्ति हैं जो भारत के पड़ोसियों के बीच संबंध बनाने के बहुत शौकीन हैं। मालदीव और भारत के बीच सदियों पुराने बहुत अच्छे संबंध हैं और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आने वाले दिनों में दोनों सरकारों के बीच सहयोग और भी समृद्ध होगा। इस साल भारत आने की अपनी योजना के बारे में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा। मुझे नहीं पता कि इस साल होगा या नहीं, लेकिन शायद निकट भविष्य में। हम सभी ने देखा है कि भारत ने अतीत में मालदीव की कैसे मदद की है,और इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होगा कि आगे चलकर भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण साझेदार होगा।

इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे पर भारत और मालदीव ने मत्स्य पालन सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे मालदीव को अपनी मछली प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने और टिकाऊ टूना मछली पकड़ने को मजबूत करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में गहरे समुद्र में मत्स्य पालन संसाधनों तक बेहतर पहुंच प्रदान होगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत के मत्स्य विभाग और मालदीव के मत्स्य एवं महासागर संसाधन मंत्रालय के बीच समझौते का उद्देश्य टिकाऊ टूना और गहरे समुद्र में मत्स्य पालन को बढ़ावा देना, जलीय कृषि और संसाधन प्रबंधन को मजबूत करना और मत्स्य पालन आधारित इको-पर्यटन को बढ़ावा देना है। साझेदारी के तहत मालदीव शीत भंडारण अवसंरचना में निवेश करके तथा हैचरी विकास, बेहतर उत्पादन दक्षता और संवर्धित प्रजातियों के विविधीकरण के माध्यम से जलीय कृषि को मजबूत करके मछली प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाएगा। यह सहयोग दोनों देशों की अधिक लचीले और टिकाऊ मत्स्य उद्योग के निर्माण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गौरतलब है कि पीएम मोदी के इस दो दिवसीय दौरे के दौरान भारत और मालदीव के बीच कई अहम समझौते हुए। इनमें व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़ी पहलें शामिल हैं, जो मालदीव के विकास को नई रफ्तार देंगी। साथ ही दोनों पक्षों ने यूपीआई, रुपे कार्ड और स्थानीय मुद्रा में व्यापार की शुरुआत का स्वागत किया।

किसानों को यूरिया और डीएपी के साथ नहीं बेच सकेंगे कीटनाशक

सरकार ने उर्वरक निर्माताओं को दी चेतावनी

नई दिल्ली। उर्वरक कंपनियां अब किसानों को यूरिया और डीएपी के साथ जबरन कीटनाशक, नैनो फर्टिलाइजर नहीं बेच सकेंगीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने खाद निर्माताओं को सख्त चेतावनी दी है। उर्वरक निर्माताओं को लिखे पत्र में कहा गया है कि विभाग के संज्ञान में आया है कि कुछ गैर-सब्सिडी वाले उत्पाद जैसे कीटनाशक, नैनो उर्वरक, जैव-उत्तेजक और अन्य उत्पादों को किसानों को बिक्री के समय यूरिया और डीएपी-एनपीके जैसे सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ जबरन दिया जा रहा है। विभाग ने कहा कि उर्वरक आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत आवश्यक वस्तु है। इसलिए सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की अनधिकृत टैगिंग कानून के साथ-साथ उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 का उल्लंघन है। विभाग ने कहा कि ऐसे मामलों को कम करने के लिए एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है।

विभाग ने कहा कि डीएपी और यूरिया के साथ जबरन कीटनाशक और अन्य उत्पाद देने जैसे मामलों से किसानों पर अनुचित वित्तीय बोझ पड़ता है। विभाग को लगातार इसकी शिकायतें मिल रही हैं। इससे पता चलता है कि यह गलत प्रथा व्यापक और लगातार जारी है। यह सरकार के उर्वरक सब्सिडी ढांचे के उद्देश्य को कमजोर कर रही है।

विभाग ने उर्वरक निर्माताओं के शीर्ष प्रबंधन को निर्देश दिया कि सख्ती से सुनिश्चित किया जाए कि किसानों के लिए गैर-सब्सिडी वाले उत्पादों को सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ टैग न किया जाए। इस तरह के कदाचार के किसी भी उदाहरण पर संबंधित वैधानिक प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस महीने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले में सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था। चौहान ने कहा था कि पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो-उर्वरकों या जैव-उत्तेजक उत्पादों को जबरन टैग करने पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नकली और घटिया उर्वरकों की बिक्री के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई करने के लिए भी कहा था। 2022-23 में केंद्र की उर्वरक सब्सिडी 2,54,798.88 करोड़ रुपये थी।

बंगाल की मतदाता सूची में 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी : शुभेंदु

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी हैं और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद उन सभी को वापस भेज दिया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी के दावे पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कहा कि, उन्हें ऐसे लोगों को नाम जमा करने चाहिए।

पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए,

भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन करने वाले हिंदुओं को इस प्रक्रिया से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, अगर बिहार में लगभग 50 लाख नाम हटा दिए गए, तो बंगाल में ऐसे 1.25 करोड़ नाम हो सकते हैं। एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में सभी बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को वापस भेज दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार मुख्यमंत्री को कोई नहीं बचा पाएगा। सारी लूट और भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। फर्जी मतदान की घटनाएं कम होंगी। जो लोग फर्जी वोट डालते थे, उन्हें बाहर कर दिया जाएगा। भाजपा नेता ने सरकारी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे ईमानदारी से काम करें, वरना जिला स्तर के अधिकारी भी कार्रवाई के घेरे में आ सकते हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणियों को सांप्रदायिक बयानबाजी करार देते हुए खारिज कर दिया।

मुंबई, केरल छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन इसके साथ ही आम लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और केरल के मलप्पुरम जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जहां रायपुर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, वहीं मलप्पुरम में तेज हवाओं और बारिश के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं। इन दोनों जगहों पर प्रशासन अलर्ट पर है और राहत कार्यों में जुटा हुआ है। रायपुर में बीते 24 घंटों से हो रही भारी बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है।

लोकसभा में बेहतर काम के लिए मिला सम्मान

संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए रवि किशन समेत 17 सांसद

नई दिल्ली। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन, एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत समेत 17 सांसद शामिल हैं। वहीं तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इसमें

ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं।

संसदीय समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता तथा विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में हुई थी और यह पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जो पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संसद में सक्रिय रहते हैं।

राहुल गांधी के आरोपों को सिद्धारमैया का समर्थन

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ियों और वोटर लिस्ट में हेराफेरी का आरोप लगाया था। सिद्धारमैया ने साफ कहा कि यह सब सच है और देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वह अब स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि भाजपा की सरकार वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि असली वोटरों का नाम हटाया जा रहा है और फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन को लेकर उप नेता प्रतिपक्ष ने लगाए आरोप

जल जीवन मिशन बना जल्दी-जल्दी मनी,सीबीआई जांच की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने शनिवार को पीसीसी में आयोजित प्रेस वार्ता में जल जीवन मिशन को लेकर राज्य सरकार को घेरा। कटारे ने कहा कि प्रदेश के गांवों में हर-घर जल पहुंचाने के लिए संचालित जल जीवन मिशन राजनेता, प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के गठजोड़ का शिकार हो गया है। इसमें 10,000 करोड़ का सुनियोजित भ्रष्टाचार हुआ है। कटारे ने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण मिशन का नाम बदलकर जल्दी-जल्दी-मनी मिशन बना दिया है। इस घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि पूर्व प्रमुख अभियंता समेत कार्यपालन यंत्रियों और रेट रिवाइज करने वाले अफसरों के साथ विभागों के प्रमुख सचिवों, मंत्री स्टाफ पर अपराध दर्ज किया जाना चाहिए।

निसार मिशन 30 जुलाई को होगा लॉन्च

12 दिन में पूरी पृथ्वी को करेगा स्कैन, बदलावों की मिलेगी सटीक सूचना

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन के प्रक्षेपण के साथ एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की तैयारी कर रहा है। इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन के अनुसार उपग्रह को एक भारतीय रॉकेट द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

नारायणन ने कहा, 30 जुलाई को हम नासा-इसरो सिंथेटिक

अपर्चर रडार मिशन शुरू करने जा रहे हैं। उपग्रह को भारतीय रॉकेट द्वारा कक्षा में स्थापित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि निसार (इसरो और नासा का पहला संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है) को 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस मिशन का बजट करीब 12,500 करोड़ रुपए है। इसरो के मुताबिक, नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह का प्रक्षेपण दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से अधिक लंबे सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसरो ने बताया कि यह उपग्रह हर 12 दिनों में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा, और दिन-रात, हर मौसम में उच्च-रिजॉल्यूशन वाला डेटा प्रदान करेगा। उपग्रह पृथ्वी की सतह पर अत्यंत सूक्ष्म बदलावों की पहचान करने में सक्षम होगा, जैसे वनस्पति में बदलाव, बर्फ की चादरों का खिसकना और जमीन का विकृति (डिफॉर्मेशन)।

समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शुरू की पीडीए पाठशाला

अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

अमेठी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि पीडीए पाठशाला चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा। अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं। उन्होंने पढ़े-लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें। इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट होकर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुन: खोला जाएगा।

कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा। मायावती ने बयान दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक़ दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है।

मप्र में जल्द होंगी निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियां

क्षेत्रीय-सामाजिक संतुलन साधने की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में ओबीसी आयोग के अध्यक्ष पद पर रामकृष्ण कुसमारिया की नियुक्ति के बाद अब निगम-मंडल, बोर्ड, आयोग और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को लेकर हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से हरी झंडी मिलने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच संभावित नामों को लेकर विस्तृत चर्चा हो चुकी है। इन नामों की सूची तैयार कर अनुमोदन के लिए केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है। अनुमति मिलते ही नियुक्तियों के आदेश जारी किए जाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा नेतृत्व ने संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नामों को अंतिम रूप दिया है। इसमें पूर्व मंत्री, संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद तथा विभिन्न जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रभावशाली चेहरों को शामिल किया गया है।

फिलहाल राज्य में निगम-मंडल, बोर्ड और आयोगों के लगभग तीन दर्जन से अधिक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद रिक्त हैं, जिन्हें भरने के लिए यह कवायद की जा रही है।

आतंकी संचार-नशे की समस्या से निपटने की तैयारी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जानी वाली एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुईं चुनौतियों पर बात हुई। साथ ही भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन हुआ।

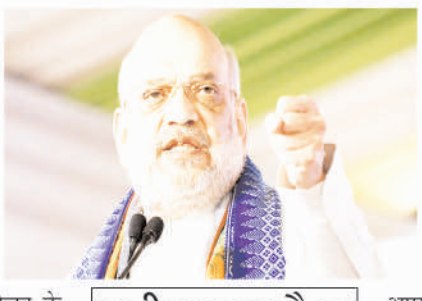

राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में शाह ने दिए अहम निर्देश

आतंकवाद के वित्तपोषण से मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। गृह मंत्री ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद-अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पुलिस संगठनों द्वारा केवल स्वदेशी तकनीक का ही उपयोग किया जाए। सम्मेलन के दूसरे दिन नागरिक उड्डयन और बंदरगाह सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध, वामपंथी उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के मुद्दे पर केंद्रित होगा। इस बैठक में भाग लेने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में, केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल रहे। साल 2016 में डीजीएसपी और आईजीएसपी सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों के अनुभव के माध्यम से और क्षेत्र विशेषज्ञों के सहयोग से प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का समाधान खोजना था।

खण्डहर भवन में चल रहा परियोजना कार्यालय

सिंगरौली शहरी व ग्रामीण तरस रहा खुद के भवन को

सिंगरौली

राजस्थान में स्कूल की जर्जर छत गिरने से सात बच्चों की मौत और नौ की हालत गंभीर हो गई थी। कहीं ना कहीं सरकार की लापरवाही इस हादसे की वजह रही, कुछ ऐसी स्थिति सिंगरौली जिले में संचालित महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय सिंगरौली शहरी और ग्रामीण का दफ्तर किराए के जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। भवन की छत और दीवार के सीलन इस कदर है कि भवन कब गिर जाए, कहा नहीं जा सकता। दफ्तर में गंदगी के बीच शौचालय की हालत बद से बदतर है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बिल्कुल भी संजीदा नहीं नजर आ रहे।

बता दे की हर साल 800 करोड़ रुपए का राजस्व देने वाले

सिंगरौली जिला में सरकारी दफ्तरों का टोटा हैं। जिले को बने हुए करीब 17 साल पूरा होने को है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अपने मातहत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नजर नहीं आ रहे। यहां महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय सिंगरौली शहरी और ग्रामीण का आज भी दफ्तर किराए के जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। भवन की छत और दीवार की सीलन के साथ-साथ गंदगी के बीच शौचालय की हालत बद से बदतर है। दफ्तर में जगह-जगह पान की पीक के साथ गंदगी का अंबार है। वहीं आए दिन महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और अन्य बैठके इसी कार्यालय में होती हैं।

दफ्तर है या फिर भूतों का डेरा

महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय सिंगरौली शहरी व ग्रामीण का जो दफ्तर नगर पालिक निगम सिंगरौली के साड़ा भवन में संचालित हो रहा है, वह पूरी तरीके से खण्डहर में तब्दील हो चुका है। जैसे ही मुख्य द्वार से सीढ़ी पर प्रवेश करते हैं, वही से ऐसा प्रतीत होता है कि ये कोई सरकार का दफ्तर नही, बल्कि भूतों का डेरा लगता है। चारों तरफ गंदगी का माहौल सीढ़ियों में पानी-गुटको की पीक ऐसी दुर्गंध मारता है कि सीढ़ी चढ़ना मुश्किल भरा लगता है। वही जैसे ही सीढ़ी के ऊपर दोनों परियोजना कार्यालय के प्रवेश द्वार के गैलरी में अंधेरा छाया हुआ रहता है और इसी अंधेरे का फायदा उठाकर आने-जाने वाले लोगों सहित अधिकारी-कर्मचारी कूडे का ढेर लगा दिये हैं। वही अगर बिजली गुल हो जाती है तो चन्द कदम दूर भी चलना काफी मुश्किल हो जाता है।

सामग्री खरीदी के लिए अटूट पैसा और दफ्तर के लिए टोटा

महिला एवं बाल विकास विभाग जिले का एक महत्वपूर्ण विभाग होने के बावजूद भी जर्जर भवन और कूड़े के बीच में संचालित हो रहा है। यहां अधिकारियों के पास सामग्री खरीदने के लिए अकूत पैसा है लेकिन भवन के लिए पैसे का टोटा हैं। हालांकि चर्चा है कि अधिकारियों को सामग्री खरीदी में कमीशन का जुगाड़ हो जाता है लिहाजा अधिकारी दफ्तर को बनवाने की जगह है सामग्री खरीदने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। शहरी और ग्रामीण परियोजना में जगह-जगह कूड़ा-कचरा फैला रहता है, जिससे मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप भी बढ़ गया है। हालत यह है कि जर्जर भवन और गंदगी के बीच संचालित होने से न केवल कामकाज में नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है बल्कि कर्मचारियों और आगंतुकों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा हो रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए सभी संसाधन उपलब्ध होंगे : विश्वामित्र

सिंगरौली। सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया है। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगमता से शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सभी संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। उक्त आशय के विचार सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने शाउमा विद्यालय सारौंधा में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरौंधा में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य राजपती सिंह ने छात्र-छात्राओं को वितरित की जा रही साइकिल के संबंध में अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने अपने उद्बोधन में प्रदेश एवं केंद्र सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में संचालित योजनाओं मध्यान्ह भोजन, गणवेश, पाठय-पुस्तक का वितरण, साइकिल वितरण, छात्रवृति, मेधावी विद्यार्थियों के लिए लैपटॉप एवं स्कूटी प्रदाय आदि योजनाएं संचालित हैं। ताकि छात्र-छात्राओं को सुगमता से गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध हो सके। दूर से आने वाले छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध हो जाने से विद्यालय आने-जाने में मदद मिलेगी। पूर्व में विद्यालय दूर होने के कारण अधिकांश छात्राएं पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती थी, लेकिन अब साइकिल मिल जाने से एवं आवागमन की सुविधा हो जाने से अध्ययन अध्यापन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यरूप से संजीव तिवारी सीईओ देवसर, सूरज मिश्रा एसडीओ आरईएस, शशिकांत तिवारी एपीओ, सुमित वर्मा उपयंत्री, अभिषेक विश्वकर्मा उपयंत्री, वरुण द्विवेदी सरपंच सहुआर, भारत सिंह, गिरेंद्र द्विवेदी, विनोद साहू, भैयालाल यादव, छोटेलाल यादव सहित विद्यालय के शिक्षक गण, अभिभावक गण, छात्र-छात्राएंए गणमान्यजन मौजूद रहे।

उप चुनाव में धानी से अशोक पाठक व मझौली पाठ से चन्दा पनिका बनी सबसे कम उम्र की सरपंच

चितरंगी एवं बैढ़न विकासखण्ड में पिछले दिनों हुआ था चुनाव, आज ईव्हीएम से हुआ प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

सिंगरौली। चितरंगी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत धानी एवं बैढ़न जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत मझौलीपाठ में सरपंच पद का उपचुनाव संपन्न होने के बाद आज ईव्हीएम मशीनों में कैद मतो की गणना कराई गई। जहां धानी से अशोक पाठक एवं मझौलीपाठ से चन्दा पनिका सरपंच के पद पर निर्वाचित घोषित की गई हैं। जानकारी के अनुसार तहसील चितरंगी के परिसर में आज उपचुनाव ग्राम पंचायत धानी के सरपंच पद मतों की गणना रिर्टनिंग अधिकारी एवं तहसीलदार ऋषिनारायण सिंह के देख-रेख में कराई गई। जहां सरपंच पद के प्रत्याशी अशोक पाठक को 586, कुलदीप पाठक को 471, प्रदीप कुमार पाठक 204, नरेन्द्र को 56, निचकऊ सिंह को 19 मत मिले। जबकि 26 मतदाताओं ने नोटा को पसंद किया। अशोक पाठक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कुलदीप पाठक को 115 मतो से पराजित किये। रिर्टनिंग अधिकारी ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौपा। वही मझौली पाठ में चन्दा पनिका को 367, हीरा सिंह को 303, रामभजन अगरिया को 264, पतिराज सिंह 102 एवं बंशपति को 71 मत मिले। यहां 23 वोट नोटा को मिले। चन्दा पनिका ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हीरा सिंह को 64 मतो से पराजित कर कम उम्र की सरंपच बनी है। रिर्टनिंग अधिकारी एवं तहसीलदार जान्हवी शुक्ला ने चन्दा पनिका को सरंपच के निर्वाचन का प्रमाण पत्र दिया है।

नशे के विरूद्ध जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिंगरौली। थाना विन्ध्यनगर द्वारा आज एक शॉपिंग सेंटर में विन्ध्यनगर में नशे के विरुद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित नागरिकों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही पुलिस मुख्यालय से प्रदत्त जिंगल बेल संदेश को बजाकर नशामुक्ति का प्रभावशाली संदेश जनमानस तक पहुँचाया गया। इसके अतिरिक्त कोचिंग सेंटर विन्ध्यनगर में विद्यार्थियों के बीच हस्ताक्षर अभियान व शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। जहाँ युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर स्वस्थ जीवन की प्रेरणा दी गई।

कारगिल विजय दिवस पर हुआ पूर्व सैनिकों का सम्मान

आयोजित हुये विविध कार्यक्रम

सिंगरौली। कारगिल विजय की 26वीं वर्षगांठ पर भाजपा ने विविध कार्यक्रम आयोजित किए। युद्ध में बलिदान हुए सैनिकों तथा भारतीय सेना के शौर्य के सम्मान में सभी कार्यक्रम समर्पित रहे। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह के नेतृत्व में जिला कार्यालय में पूर्व सैनिकों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें जिलाध्यक्ष ने सुरेश कुमार पाण्डेय, राजेन्द्र शाह समेत उपस्थित सेवानिवृत्त सैनिकों को श्रीफल व अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया तथा एक सैनिक के रूप में दिये गये उनके अतुलनीय योगदान पर उनका आभार प्रकट किया।

बिलौंजी में स्थित एक शैक्षणिक संस्थान पर आयोजित समारोह में जिलाध्यक्ष ने 25 वर्ष पूर्व कारगिल युद्ध में देश के वीर सैनिकों की वीरता पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कारगिल युद्ध एक बेहद दुर्गम क्षेत्र में लड़ा गया। जहां पाकिस्तानी सैनिक और आतंकवादियों का गठजोड़ सैकड़ों फिट की उंचाई पर बैठा था और हमारे सैनिक नीचे से दुश्मन से लोहा ले रहे थे, विपरित परिस्थितियों में भी बिना अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पार किये हमारे जाबाज सिपाहियों ने पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया था और अपनी सीमा पर कब्जा किये पाकिस्तानी घुसपैठियों को भागने पर विवश कर दिया था। जिलाध्यक्ष ने कारगिल युद्ध में शहीद सैनिकों को नमन किया तथा उनको राष्ट्र का सच्चा सपूत बताते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सरोज सिंह, राजेश तिवारी, ननि अध्यक्ष देवेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता, कमलेश वर्मा, आईटीसेल संयोजक सुरेश गिरी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, जेपी शाह, रामाधार गुप्ता, मुकेश तिवारी, पार्षद संजय सिंह, आशीष वैश्य, भारतेन्दु पांडेय, अनिल शाह, रामाधार गुप्ता, रीता सोनी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशेष शिविर में 313 प्रकरणो में 70 प्रकरणो का हुआ निपटारा

राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सभी अनुभागो में भूमि विवाद प्रकरणो पर की जनसुनवाई आयोजित

सिंगरौली। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला एवं एसपी मनीष खंत्री के द्वारा राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से जिले के भूमि संबंधी विवादो के निराकरण के लिए तीनों उपखण्डो में जन सुनवाई आयोजित प्रकरणों का निराकरण कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया था।

आज दिन शनिवार को जिले के सभी उपखण्ड क्षेत्रों में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से जन सुनवाई आयोजित की

गई। उपखण्ड सिंगरौली में उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली सृजन वर्मा, सीएसपी सहित तहसीलदार, थाना प्रभारी विंध्यनगर अर्चना द्विवेदी सहित पुलिस विभाग के अधिकारियों के उपस्थिति में उपखण्ड कार्यालय सभागार में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 52 आवेदको द्वारा अपने प्रकरणो के निराकरण के लिए आवेदन मिले। जिसमें तीन प्रकरणों का निराकरण किया गया। अनुभाग देवसर में संयुक्त जन सुनवाई में 37 प्रकरण प्राप्त हुये। जिनमें 11 प्रकरण निराकृत किये गये तथा चितरंगी में भूमि विवाद के निराकरण के लिए आयोजित जन सुनवाई में प्राप्त 89 प्रकरणो में से 15 प्रकरणों का निराकरण हुआ। उपखण्ड माड़ा में प्राप्त 37 प्रकरणों में से 12 तथा दुधमनिया में प्राप्त 5 प्रकरणों में से 2 का निपटारा हुआ। इस प्रकार जिले के समस्त अनुभागो में आयोजित जन सुनवाई में प्राप्त कुल 313 प्रकरणों में 70 प्रकरणो को अंतिम रूप से निराकृत किया गया।

राहत शिविर में बाढ़ से प्रभावित डेढ़ दर्जन शरणार्थियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

सिंगरौली। शुक्रवार को माड़ा क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से दर्जन भर गांव जलमग्न हो गये थे। वही नदी-नाले उफान पर रहे। इस बारिश से 7 मकान भी जमींदोज होने के कारण प्रभावितो को सामुदायिक भवन माड़ा में ठहरने की व्यवस्था की गई है।

कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के निर्देश पर आज सामुदायिक भवन में बाढ़ से प्रभावित डेढ़ दर्जन परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सको के द्वारा किया गया।

एनसीएल कॉलोनी अमलोरी में बंदरो का आतंक

एक एनसीएल कर्मी की रीड की हड्डी टूटी, वाराणसी रेफर

सिंगरौली। एनसीएल परियोजना अमलोरी के कॉलोनी में इन दिनों बंदरों का इस कदर आंतक मचा है कि आधा दर्जन से अधिक लोगों को निशाना बनाकर हमला कर चुके हैं। वही एक एनसीएल कर्मी हमले के बचने के लिए भागते समय गिरने से पीड़ित की हड्डी टूट गई।

जानकारी के अनुसार एनसीएल अमलोरी परियोजना के कॉलोनी में बंदरों का आतंक इतना बढ़ा है कि आधा दर्जन से अधिक लोगों को काट चुके हैं। यह समस्या

पिछले दो-तीन दिन से है। कॉलोनी के रहवासी बंदरों के आतंक से भयभीत एवं डर-सहमे हुये हैं। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एनसीएल कर्मी एक युवक हमला से बचने के लिए भाग रहा था कि गिरने से रीड की हड्डी टूट गई। जिन्हें वाराणसी के लिए रिफर कर दिया गया है। हालांकि वन अमला बंदरों के रेस्क्यू करने में जुटे हुये हैं।

बरगवां में लगा भूमि विवाद निराकरण शिविर

तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने सुनी लोगों की समस्याएं

सिंगरौली। जिले के बरगवां तहसील में आज दिन शनिवार की दोपहर भूमि विवाद निराकरण एवं जनसुनवाई शिविर का आयोजन शासन द्वारा किया गया। जिसमें बरगवां क्षेत्र एवं ग्रामीण अंचलों के लोग अपनी भूमि संबंधी शिकायतों को लेकर पहुँचे। इस शिविर में तहसीलदार नागेश्वर प्रसाद पनिका, थाना प्रभारी बरगवां राकेश राका साहू, सहायक उपनिरीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी, प्रआर फूल सिंह, अनूप मिश्रा, सुरेंद्र भूजवा एवं आर अरविंद यादव मौजूद रहे। इस दौरान शिविर में 23 आवेदकों ने भूमि संपत्ति विवाद पर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

जहां मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुनते हुए त्वरित कार्रवाई कर सुला-समझौते से इसका निराकरण किया। ज्यादातर मामले भूमि सीमांकन, नामांतरण, म्यूटेशन, भूमि दखल सहित अन्य से जुड़े रहे। जिनका मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। बरगवां थाना प्रभारी राकेश साहू ने बताया कि अक्सर छोटे-छोटे भूमि विवादों के कारण लोग राजस्व कार्यालयों और अन्य सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते रहते हैं। कई बार इन्हीं विवादों के कारण लोग अदालत तक पहुंच जाते हैं, जिससे सरकारी संसाधनों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। भूमि विवादों के कारण सामाजिक असंतोष और कानून-व्यवस्था की समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। कई आपराधिक घटनाओं की जड़ में भी भूमि विवाद ही होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने भूमि विवाद निराकरण के लिए यह शिविर लगाया था।

खेत में मिला प्रौढ़ व्यक्ति का शव, चोट के मिले निशान

सिंगरौली। आज दिन शनिवार की सुबह मोरवा थाना क्षेत्र के गोरबी चौकी अंतर्गत ग्राम बरमानी के एक खेत में एक 43 वर्षीय प्रौढ़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बरमानी निवासी शिवप्रसाद कोल पिता रामखेलावन कोल के तौर पर हुई है। उसके परिजनों ने इसकी सूचना गोरबी चौकी में दी। इसके बाद मोरवा निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह एवं गोरबी चौकी प्रभारी रुद्र प्रताप सिंह सदलबल मौके पर पहुँच जांच में जुट गए। मृतक के बड़े भाई श्यामबिहारी कोल ने पुलिस को अपनी तहरीर में बताया कि बीती रात उसका छोटा भाई शिवप्रसाद करीब 2 बजे तक घर के आंगन में टहल रहा था। इसके बाद सभी सोने चले गए। शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने उसे मृत अवस्था में घर से करीब 25 मीटर दूर खेत में देखा।

कांटा मोड़ से मोरवा बाजार की डगर हुई कठिन, दलदल व गड्ढों में तब्दील सड़क

गड्ढों में मुरुम मिट्टी डालकर बना दिया लेप, बाईक चलाना भी आसान नही, एनसीएल के जिम्मेदारों की अनदेखी

सिंगरौली। मोरवा के कांटा मोड़ से लेकर मेन रोड बाजार पंजरेह तक इन दिनों पैदल एवं बाईक से चलना कठिन हो गया है। आलम यह है कि सड़क मिट्टी मुरूम से दलदल हो चुकी है, वही कई जगह खाई की तरह गड्ढे बने जा रहे हैं। सड़को का रख-रखाव का जिम्मा एनसीएल का है। लेकिन अधिकारियों की अनदेखी मुसाफिरों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है।

दरअसल कांटा मोड़ से लेकर शुक्ला मोड़ रेलवे स्टेशन सिंगरौली की सड़क पिछले करीब दो महीने से मोटरसाइकिल एवं पैदल चलने लायक नही है। मजबूर होकर लोग अप-डाउन कर रहे हैं। आलम यह है कि

कांटा मोड़ से शुक्ला मोड़ की सड़क के कचूमर निकलने पर शुक्ला मोड़ से लेकर रेलवे स्टेशन व पंजरेह बाजार मेन सड़क में गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं। कुछ तो गड्ढे ऐसे हैं, जिन्हें पार करते समय वाहन चालको को बड़ी सावधानी बरतनी पड़ती है। तब कहीं उस गड्ढों को वाहन चालक किसी तरह पार तो कर लेते हैं, लेकिन दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। वही एनसीएल प्रबंधन के द्वारा गड्ढों में मुरूम मिट्टी डाल कर पाटने से सड़क कीचड़ में ही तब्दील है। इन दिनों बारिश के चलते सड़क में बाईक व पैदल चलना जाखिम भरा साबित हो रहा है। पैदल चलने वाले लोग कीचड़ में लथपथ हो जाते हैं। यह समस्या एक महीने से है, लेकिन आरोप है कि एनसीएल प्रबंधन कोई ठोस इंतजामात नही कर रहे हैं।

सड़क में कीचड़ ही कीचड़, रोजाना होता है तूतू-मैंमैं

कांटो मोड़ से लेकर शुक्ला मोड़ होते हुये रेलवे स्टेशन तक इन दिनों सड़क की हालत खस्ता हो गई है। करीब 60 प्रतिशत डामर का गायब है। मिट्टी, मुरूम एवं गिट्टी नजर आती है। बारिश का सीजन चल रहा है, सड़क कीचड़ से लथपथ है। और उक्त मार्ग में ज्यादातर सैकड़ों की संख्या में कोल वाहनों का अप-डाउन होता है। हैवी एवं ओव्हर लोड कोलवाहन सड़क पर चलते वक्त इस तरह छींटा मारते हैं कि बाईक सवार चालक कीचड़ में रंग जाते हैं। जिससे बाईक सवार चालक एवं कोल वाहन चालको के बीच इन दिनों रोजाना तूतू-मैंमैं होता रहता है।

कारगिल विजय हमारे सैनिकों के शौर्य और पराक्रम की अद्भुतीय गाथा : देव कुमार

भाजपा ने कारगिल विजय जुलूस के अवसर पर आयोजित की विचार गोष्ठी और निकाला भव्य मशाल जुलूस

सीधी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा विचार गोष्ठी और विशाल और भव्य मसाल जुलूस भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष निशांत मिश्रा कंपू की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

विशाल मसाल जुलूस के पूर्व आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कारगिल विजय की देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कारगिल विजय जुलूस हर भारतीय के लिए गौरव की बात है। कारगिल की विजय हमारे सैनिकों के शौर्य और पराक्रम की अद्भुतिय कहानी है। कारगिल विजय जुलूस हमारे सैनिकों के सम्मान में पार्टी द्वारा आयोजित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी सदैव सैनिकों के सम्मान और उनके बलिदान को सलाम करती है।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मसाल जुलूस के पश्चात मीडिया से रूबरू होते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे जांबाज़ जवानों के शौर्य एवं बलिदान को नमन है और देश के महान वीर सैनिकों व उनके परिवारजनों हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने कहा कि 26 साल पूर्व वर्ष1999 में कारगिल सेक्टर, द्रास सेक्टर, बटालिक सेक्टर और टाइगर हिल पर पाकिस्तान की फौज ने चोरी-छुपे कब्जा करने का नाकाम प्रयास किया था। हमारी वीर सेना के रणबांकुरों ने पाकिस्तानी फौज को धूल चटाकर विजय प्राप्त कर कारगिल पर पुन: तिरंगा लहराया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आज का भारत सशक्त, सक्षम और सामर्थ्यवान हुआ है। चाहे पुलवामा हो, उरी हो या पहलगाम की नापाक हरकत हो, हमारी सेना ने पाकिस्तान को तीनों बार सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिये उसी की भाषा में जवाब दिया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, अतुलित बल और शौर्य को याद कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। माँ भारती के अमर सपूतों को हृदय से नमन करता हूँ।

विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निशांत मिश्रा कंपू कहा कि हमारे सैनिक विश्व विजेता है। हमारे सैनिकों ने चाहे कारगिल विजय हो या फिर ऑपरेशन सिंदूर सभी में विश्व में अपने पराक्रम का की मिसाल दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में अपनी अमित छाप छोड़ रहा है।

विचार गोष्ठी को वरिष्ठ समाज सेवी डॉ अनूप मिश्रा, अंजू पाठक, राकेश मौर्य ने भी संबोधित किया। विचार गोष्ठी के पश्चात भव्य और दिव्य मसाल जुलूस भाजपा पार्टी कार्यालय से होते हुए गायत्री मंदिर, गांधी चौक और उसके पश्चात पुन: पार्टी कार्यालय में समाप्त हुआ। मशाल जुलूस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, सैनिकों के सम्मान में भाजपा मैदान में, वंदे मातरम और भारत माता की जय के उद्घोष किए गए। रिमझिम फुहार के बीच शानदार सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस में भाग लिया।

विचार गोष्ठी का संचालन विक्रमादित्य मिश्रा ने किया। मशाल जुलूस में मुख्य रूप से नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह मुन्नू, जिला जिला उपाध्यक्ष अनिल पाण्डेय, डॉ विक्रम सिंह चौहान, प्रमोद द्विवेदी, संदीप शर्मा, सरस्वती बहेलिया, जिला महामंत्री अशोक पटेल, विनोद साकेत, विश्व बंधुधर द्विवेदी, रवि केसरी, संजय सिंह चौहान ,डॉ देवेंद्र त्रिपाठी, जिला मंत्री सुनीता रानी वर्मा, नीलम पाण्डेय, ज्योति कुशवाहा, पूजा सिंह कुशराम, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, मण्डल अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, पुनीत नारायण शुक्ला, संगीता सिंह, संदीप सिंह गहरवार, जितेंद्र तिवारी, कंचन केसरी, अन्नू पाण्डेय, अभय सिंह, अयोध्या द्विवेदी, सत्येंद्र सिंह, आशीष तिवारी, चंदन मिश्रा, पार्षद सुधा देवी कोल, विभा शर्मा, मन्नालाल चौधरी, शिवदान साकेत, विक्रमादित्य मिश्रा, जितेंद्र गुप्ता, राजेश द्विवेदी, श्रवण सिंह सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भाजपा युवा मोर्चा के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्कूल शिक्षा विभाग का स्पोर्टस् मैनेजमेंट सिस्टम

खेलों को बढ़ावा देने के लिये 180 नोडल खेल केन्द्र

सीधी। स्कूल शिक्षा विभाग ने एजुकेशन पोर्टल की तर्ज पर स्पोर्टस् मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से विभाग की खेलकूद शाखा की गतिविधियों, प्रतियोगिता के आयोजन और उससे संबंधित पत्राचार को पेपरलेस कर दिया गया है। इस प्रकिया के चलते खेलों से जुड़ी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है।

शिक्षा विभाग के अंतर्गत मान्यता प्राप्त एमपी बोर्ड के विद्यालय, सीबीएसई के ऐसे स्कूल जो स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के और स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता में शामिल होना चाहते हैं वे इस पोर्टल पर निश्चित पंजीयन शुल्क के साथ आवश्यक अभिलेख अपलोड करते हुए पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 14 से 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के लिये एक ही बार कराना होगा। स्पोर्टस् मैनेजमेंट सिस्टम में प्रति वर्ष आवश्यकतानुसार अपग्रेड किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। विद्यालय में अध्ययनरत नियमित खिलाड़ियों की दर्ज संख्या के मान से क्रीड़ा शुल्क का संकलन इसी पोर्टल के माध्यम से किये जाने की सुविधा दी गई है जो स्वतरू ही संचालनालय, संयुक्त संचालक, संभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी के खाते में शासन द्वारा निर्धारित प्रतिशत के अनुसार अंतरित हो जाता है। यह व्यवस्था खेलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और खिलाड़ियों की आयु के बारे में प्रमाणीकरण के साथ अपात्र खिलाड़ी को किसी भी स्तर पर प्रतियोगिता में शामिल होने से रोकता है।

180 नोडल खेल विद्यालय प्रशिक्षण केन्द्र

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को उच्च स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश में स्थित शासकीय विद्यालयों में 180 नोडल खेल केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों के माध्यम से खेल अधोसंरचना के साथ उत्कृष्ट स्तर की खेल सामग्री खेल प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पिछले वर्ष 500 खिलाड़ियों ने राज्य और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सहभगिता की और इसमें 600 पदक प्राप्त किये। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है।

जिले में औसत वर्षा 829.3 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 26 जुलाई को सीधी जिले में 45.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 9.5 मि.मी., चुरहट 48.0 मि.मी., गोपद बनास में 127.0 मि.मी., सिहावल में 32.0 मि.मी., बहरी में 35.0 मि.मी., मझौली में 8.0 मि.मी. और कुसमी में 58.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 829.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 26 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 922.2 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 670.0, चुरहट में 710.0, गोपद बनास में 833.6, बहरी में 913.7, मझौली में 895.0 मि.मी. और कुसमी में 860.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 323.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

नवोदय विद्यालय चुरहट में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

सीधी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी के एम.पी. हाल में शुक्रवार दिनांक 25 जुलाई 2025 को एक विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. के. त्रिपाठी के कुशल निर्देशन तथा कोऑर्डिनेटर श्री एस. के. तिवारी के सक्षम मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना एवं अनुसंधानात्मक प्रवृत्ति को विकसित करना रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विज्ञान मॉडल्स, प्रायोगिक प्रोजेक्ट्स तथा नवाचार आधारित प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं, जिनमें उनकी सृजनशीलता, वैज्ञानिक सोच और टीमवर्क स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। प्रदर्शनी के संचालन में शिक्षिका सुश्री नमिता पाण्डेय एवं सुश्री सुजाता की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने समस्त गतिविधियों का समन्वय कुशलतापूर्वक किया। निर्णायक मंडल के रूप में श्री रवि पांडेय, श्रीमती ऋचा एवं श्री हरदीप ने विद्यार्थियों के मॉडलों का निर्णय, मूल्यांकन तथा मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी उपस्थिति ने प्रतिभागियों का उत्साह और भी बढ़ाया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में बिना जाति प्रमाणपत्र के कर सकेंगे आवेदन

सीधी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2026-2027 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन भरा जा रहा है। आवेदन भरते समय जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य था लेकिन अभी यह अनिवार्यता नहीं है। अब सभी बिना जाति प्रमाण पत्र के ही आवेदन भर सकते हैं । प्राचार्य ने बताया कि सीधी जिले में पांचवीं में अध्ययनरत सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का यह सुनहरा अवसर है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया गया

सीधी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. रामनारायण स्वर्णकार की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। सभी प्राध्यापकों और छात्रा-छात्राओं ने शहीदों के सम्मान में मौन रखा और उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। इस उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं को कारगिल विजय दिवस पर बनी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसी कड़ी में प्राचार्य ने छात्रों को देशभक्ति गीत के माध्यम से कारगिल विजय दिवस के महत्व के बारे में बताया और कहा कि यह दिन भारतीय सेना की बहादुरी और बलिदान का प्रतीक है। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति गीतों और भाषण के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति और साहस की भावना को बढ़ावा देना था। साथ ही, शहीद सैनिकों के बलिदान को याद करना और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना था। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने छात्रों को देशभक्ति और साहस के महत्व के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया गया। उन्हें शहीद सैनिकों के बलिदान को याद करने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टि. उमाकांत साहू, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ प्रभाकर सिंह एवं अन्य प्राध्यापक गण, अतिथि विद्वान, एनसीसी के कैडेट्स तथा अन्य छात्रा छात्राएं उपस्थित रहे।

नवाकुर सखियों ने चलाया जन अभियान के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण का महा अभियान

सीधी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा नवांकुर सखी योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश के साथ-साथ सीधी जिले के पांचो विकास खंडों में मातृ शक्तियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ने के लिए अनूठी पहल के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दिशा निर्देशन पर जिला प्रशासन जिला सीधी के मार्गदर्शन में पौधारोपण महा अभियान का शुभारंभ हरियाली अमावस्या से करते हुए 30 जुलाई तक 30000 पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दूसरे दिवस 25 जुलाई को कुसमी विकासखंड के आदर्श ग्राम गुरुअधार में क्षेत्र के विधायक श्री कुंवर सिंह टेकाम के द्वारा कलश यात्रा का शुभारंभ करवाकर पौधे वितरित किए गए। इसी प्रकार से मझौली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम नदहा तथा सिहावल विकासखंड के अंतर्गत ग्राम मर्सरहा में कलश यात्रा एवं 11-11 पौधे वितरित किए गए। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम निरंतर 30 जुलाई तक चला कर लक्ष्य को प्राप्त करने का कार्य हो रहा है।

मरसरहा में नवांकुर सखी हरियाली महोत्सव का किया गया कार्यक्रम

सीधी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था गीतांजलि जन कल्याण समिति जमुआर द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव जी के निर्देशन और जिला समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया जी के मार्गदर्शन में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा महोत्सव अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत मरसरहा सेक्टर कुबरी विकासखंड सिहावल जिला सीधी मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन सरपंच कल्पना रावत के द्वारा किया गया कार्यक्रम कल्पना रावत जी के मुख्य आतिथ्य में और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकास खंड समन्वयक अनिल कुमार पाठक जी के विशिष्ट आतिथ्य नवांकुर संस्था गीतांजलि जन कल्याण समिति के अध्यक्ष रविशंकर मिश्र ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मरसरहा के अध्यक्ष राजेश सिंह के सहयोग से किया गया नवांकुर सखी योजना अंतर्गत सभी अतिथियों ग्राम की नवांकुर सखी और ग्रामीण जन की उपस्थिति में गाजे बाजे के साथ बड़े धूम धाम से नवांकुर सखी के बैनर , कलस और पेड़ पौधे लेकर हरियाली यात्रा पूरे ग्राम पंचायत में हरियाली महोत्सव के नारे के साथ रैली निकाली निकाली गई रैली के बाद सभा का आयोजन मरसरहा ग्राम

पंचायत भवन के सभागार में किया गया जिसमें विकास खंड समन्वयक महोदय अनिल पाठकजी द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में बताया गया कि हर व्यक्ति कों पौधे लगाना और उसकी सुरक्षा करना अनिवार्य है और एक पौधे को सौ पुत्रो के समान बताया गया इसके बाद सभी नवांकुर सखी को 11 पौधे मुनगा, करंज, आम, अमरूद, मीठी नीम, नीम, सीताफल, बादाम,, कटहल, अर्जुन, नींबू, बेल, आदि पौधे मुख्य अतिथि सरपंच कल्पना रावत जी के हाथों से दिलाया गया इसके बाद सभी नवांकुर सखी और उपस्थित जन समुदाय का स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य जांच कराया गया जिसमे स्टाफ नर्स सीमा सिंह एएनएम प्रिया सिंह आशा पर्यवेक्षक सुनीता गुप्ता द्वारा किया गया इसके बाद अनिल पाठक जी द्वारा सभी उपस्थित जन को पर्यावरण संरक्षण हेतु सपथ दिलाया गया अंत में समिति संचालक रविशंकर मिश्र द्वारा नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत नशा के दुष्प्रभाव के बारे बताया गया और सभी को नशा मुक्ति का सपथ दिलाया गया, इस कार्यक्रम में एनआरएलएम से विनोद कुशवाहा, एएनएम प्रिया सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता मीरा गौतम, प्रस्फुटन समिति मरसरहा सचिव संतोष द्विवेदी,परामर्श दाता गोविंद गौतम जी , आरती गौतम,अमन द्विवेदी, सीमा सिंह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सावित्री पांडे,नीतू सिंह, अर्चना द्विवेदी, स्मिता द्विवेदी, आशा नीला सिंह,सरोज विश्वकर्मा, अर्चना सिंह,पर्यवेक्षक सुनीता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

रोली मेमोरियल नि:शुल्क नेत्र शिविर से 31 मरीज आपरेशन के लिये भेजे गये

सीधी। बारिश तथा प्रतिकूल मौसम के बाबजूद रोली मेमोरियल सीधी द्वारा दिनांक 26 अगस्त को आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर मे प्रात: 9 बजे से ही मरीजों का आना प्रारंभ हो गया। शिविर मे 103 से अधिक मरीज नेत्र परीक्षण के लिये आये। सभी मरीजों का पंजीकरण किया गया उसके पश्चात चित्रकूट से आई 5 सदस्यीय टीम ने मरीजों का उपकरणों के माध्यम से परीक्षण किया। ऐसे मरीज जिनका मोतिया बिन्द आपरेशन होना था उन्हे बस से चित्रकूट के लिये भेजा गया। शेष मरीजों का दवा आदि के

माध्यम से उपचार किया गया। दवायें नि:शुल्क उपलब्ध करायी गई। ऐसे मरीज जिनका पिछले शिविर मे आपरेशन किया गया था उनका परीक्षण कर उन्हे नि:शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया गया। शिविर मे आम तौर पर बृद्ध तथा नि:शक्त जन ही आते हैं। जिनके साथ उनके सहायक या परिजन नही थे उनकी सहायता स्वयं सेवको द्वारा की गई। शिविर के सफल आयोजन के लिये रोली मेमोरियल के संचालक ट्स्टी चन्द्रमोहन गुप्त श्रीमती मीना गुप्ता श्रीपाली तथा उत्कर्ष ने श्रीराम सिंह कर्चुली तथा उनकी पूरी टीम के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया है। शिविर की ब्यवस्था मे गिरजेश तिवारी, रांची से पधारी सुधा गुप्ता, पंकज तिवारी, राममुनीम, प्रमोद तिवारी, विकास, बबलू, गीता केवट आदि की भूमिका प्रमुख रही। अगले 26 अगस्त को पुन: शिविर आयोजित किया जावेगा।

कारगिल विजय दिवस सरस्वती हाई स्कूल कोटहा में संपन्न

सीधी। सरस्वती हाई स्कूल कोटहा, सीधी में कारगिल विजय दिवस मनाया गया और मुख्य अतिथि के तौर भाजपा ओबीसी मोर्चा सीधी के पूर्व जिला महामंत्री और पूर्व सैनिक संजय सोनी उपस्थित होकर भारत माता के चरणों में नमन करते हुए एवं भारत माता की जयकारा के साथ शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर बच्चों को संबोधित किया।

श्री सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध भारत के तात्कालिक प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में 3 मई 1999 को शुरू होकर 26 जुलाई 1999 को विजय के साथ समाप्त हुआ। जिसमें भारतीय सेना के कई वीर जवानों ने अपने प्राणों

का बलिदान देकर भारत माता की रक्षा की था। आज हम यहां जीवित हैं क्योंकि कई वीर जवानों ने सीमा पर अपने जीवन का बलिदान दिया है और हम सभी को उन वीर जवानों के शहादत को आजीवन याद करना चाहिए, हम लोग यहां सुकून से इसलिए सोते हैं क्योंकि सीमा पर वीर जवानों ने अपने सुकून को त्याग कर सीमा की रक्षा करते हैं, सभी बच्चों को देश की अखंडता और एकता के लिए देश प्रेम की भावना के साथ कार्य करना चाहिए। सोनी ने बच्चों को भविष्य में सेना ज्वाइन करने के लिए भी प्रोत्साहित किए और साथ में सभी स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर अम्बिका प्रसाद मिश्रा, भाई सुरेश केवट, प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार तिवारी, अमर सिंह चन्देल वरिष्ठ आचार्य जमोड़ी, सतेन्द्र श्रीवास्तव, उदयनाथ योगी, अवनीत आचार्य, रविशंकर मिश्र, ब्रज मोहन योगी, श्रीमती अर्चना तिवारी, आकांक्षा शुक्ला, स्मृति मिश्र, छविराम यादव कार्यालय अधीक्षक समिति सीधी, अखिलेश शुक्ल मृत्य, श्रीमती सविता नामदेव के साथ-साथ समस्त स्टाफ और बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी(म0प्र0)
सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508
निविदा सू0क0 04 /नि.प्र./व.ले.लि./का0य0/लो0स्वा0यां0वि0/25-26 सीधी दिनांक 23.07.2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 08.08..2025 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 11.08..2025 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- Balance work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (i.e. 100% FHTC's) in Villages Kamarji, Barigawan, Chilri Kalan, Lakoda, Amarpur,Pokhra,Marsharha Block – Sidhi ,Sihawal District - SIDHI.

S. N.	Tender ID	Name of scheme village	PAC(Rs. in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1	EE_PHED_439353 _1	कमर्जी, बरिगवॉ, चिलरीकला, लकोडा ब्लाक सीधी	180.21	180210	12500.00	Ist Call
2	EE_PHED_439354 _1	अमरपुर, पोखरा, मरसरहा ब्लाक सिहावल	178.25	178250	12500.00	Ist Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

जी-16237/25

कार्यालय वन मण्डल अधिकारी सीधी, जिला-सीधी (म.प्र.)
कोतवाली रोड सीधी, जिला - सीधी 486661 (मध्य प्रदेश) E-mail :- dfot.sdh@mp.gov.in Ph.07822-252235

क्र./ भण्डार/निविदा/ 5609 सीधी,दिनांक 23/07/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

वन मण्डल अधिकारी सीधी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में वन मण्डल अंतर्गत शासकीय कार्यों में उपयोग हेतु आवश्यक सामग्री की आपूर्ति हेतु एम.पी. ई-टेंडर पोर्टल के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं। सामग्री का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.	सामग्री का विवरण	एम.पी. ई-टेंडर क्रमांक	पोर्टल पर प्रकाशन तिथि
1.	स्टेशनरी लेखन सामग्री एवं अन्य	2025_MPFD_439133_1	25.07.2025
2.	इलेक्ट्रिक सामग्री	2025_MPFD_439138_1	25.07.2025
3.	टेंट व्यवस्था एवं भोजन व्यवस्था	2025_MFPD_410427_1	25.07.2025

उपरोक्त ई-निविदाएं एम.पी. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्रकाशित किया जावेगा। ई-निविदा संबंधी समस्त जानकारी जैसे शर्तें, दस्तावेज़, तकनीकी विवरण आदि पोर्टल पर उपलब्ध हैं जिन्हें वहाँ से देखा, पढ़ा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। ई-निविदा में संशोधन/शुद्धिपत्र आदि भी पोर्टल के माध्यम से ही प्रकाशित किए जाएंगे, पृथक से कोई प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

इच्छुक आपूर्तिकर्ता/संस्थान/फर्म निविदा पोर्टल अनुसार निर्धारित तिथि तक संबंधित सामग्री की आपूर्ति हेतु एम.पी. ई-टेंडर पोर्टल के माध्यम से निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं।

वन मण्डल अधिकारी
वन मण्डल सीधी (म.प्र.)

जी-16228/25

संपादकीय

खाने पर 'खेल'

सावन के महीने में इस साल फिर नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद सामने आया है। बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सोमवार को खाने में नॉन-वेज भी परोसा गया, जिसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंच गई हैं। इसी तरह, यूपी में ढाबों-भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में उठा। यहां भी मूल में भोजन ही है। कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इस पर ऐसे विवाद से बचा जा सकता था। खाने-पीने की पसंद किसी व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का हिस्सा होती है। भारत में जैसी विविधता है, वैसे ही यहां के खाने में भी है। इसलिए किसी को क्या खाना चाहिए, इसकी पुलिसिंग नहीं की जानी चाहिए। फिर ऐसी कोई कोशिश संविधान के उस अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगी, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। भोजन और पहनावा भी इसी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। हालांकि इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। देखा जाए तो ज्यादातर के मूल में राजनीति होती है। बिहार में दो साल पहले भी सावन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना मुद्दा बन गया था। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ और सफाई देनी पड़ी कि यह तो वेज थी ! आस्था को भोजन के साथ मिलाने पर समस्या खड़ी होनी ही है। दोनों ही निजी मामले हैं और दोनों में ही किसी को दखल देने का हक नहीं। हां, यह जरूर है कि जब बात किसी खास आयोजन या धार्मिक अवसर पर किसी समुदाय की भावनाओं से जुड़ी हो, तो वहां सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन की जरूरत पड़ती है। ऐसा ही होता भी आया है। असल में, भोजन केवल भूख से नहीं, व्यक्ति की गरिमा से भी जुड़ा है। सम्मान के साथ कमाने और खाने का हक इस देश के सभी नागरिकों को है। किसी भी वजह से न तो इन हकों को छीनने की कोशिश होनी चाहिए। फिर यह भी देखना चाहिए कि खाने का इस्तेमाल राजनीति की बिसात पर न हो। साथ ही, इस राजनीति से लोगों की रोजी-रोटी पर आंच भी नहीं आनी चाहिए।

लगभग एक सप्ताह से कावंड़ यात्रा चल रही है। सड़कों पर कांवड़ियों के समूह पवित्र नदियों से जल लेकर अपने गन्तव्यों के लिए रवाना हो चुके हैं। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बाद कावंड़ यात्रा पूर्ण हो जाएगी। सड़कों से गुजरते भोले के भक्तों के काफिले अपनी मंजिल पर पंहुचकर अगले छह माह के लिए रूक जाएंगे। जाड़ों में दुबारा शिवरात्रि पड़ेगी, तब ये यात्रा फिर शुरू होगी। फिर कांवड़ियों के काफिलें सड़कों पर होंगे। ज्योतिर्लिंग वाले सभी प्रदेशों में इस यात्रा को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की जाती है। अन्य शिवालयों पर भी भारी तादाद में श्रद्धालु जल चढ़ाते हैं। कई बार किसी कांवड़ से किसी के टकराने या कावड़िए के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कावड़िए प्रायः हंगामा करते हैं।

कांवड़ यात्रा के साथ आम यातायात पर भी ध्यान दें

(अशोक मधुप)

करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

लगभग एक सप्ताह से कावंड़ यात्रा चल रही है। सड़कों पर कांवड़ियों के समूह पवित्र नदियों से जल लेकर अपने गन्तव्यों के लिए रवाना हो चुके हैं। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बाद कावंड़ यात्रा पूर्ण हो जाएगी। सड़कों से गुजरते भोले के भक्तों के काफिले अपनी मंजिल पर पंहुचकर अगले छह माह के लिए रूक जाएंगे। जाड़ों में दुबारा शिवरात्रि पड़ेगी, तब ये यात्रा फिर शुरू होगी। फिर कांवड़ियों के काफिलें सड़कों पर होंगे। ज्योतिर्लिंग वाले सभी प्रदेशों में इस यात्रा को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की जाती है। अन्य शिवालयों पर भी भारी तादाद में श्रद्धालु जल चढ़ाते हैं। कई बार किसी कांवड़ से किसी के टकराने या कावड़िए के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कावड़िए प्रायः हंगामा करते हैं। कई जगह तोड़?फोड आगजनी आदि पर उतर आते हैं, इसलिए प्रशासन पहले से सचेत रहता है। केंद्र में भाजपा सरकार आने और कई प्रदेशों में भाजपा की सरकार होने के बाद से इस कांवड़ यात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। इनके लिए आने?जाने के मार्ग निर्धारित होने लगे। इन कांवड़ियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। अधिकतर महत्वपूर्ण मार्ग इनके लिए आरक्षित किए जाने के कारण इन मार्ग के वाहन दूसरे मार्ग पर भेजे जाने लगे। इससे आम लोगों को परेशानी होने लगी। तीन घंटे का रास्ता छह से सात घंटे में पूरा होने लगा। वाहनों को 60 से 70 किलो मीटर ज्यादा चलना पड़ा। वाहनों के ज्यादा चलने के तेल ज्यादा लगा। तेल का ज्यादा लगना राष्ट्रीय नुकसान है और व्यक्ति की समय की बरबादी। व्यवस्था ऐसी बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी निर्विघ्न रूप से पूरी हो और दूसरे वाहन और यात्रियों को कोई परेशानी न हो। नियमित यातायात इस यात्रा के दौरान सुगमता से चलता रहे।

आज हालत यह है कि कई दिन से उत्तर प्रदेश? दिल्ली एनसीआर और उत्तरांचल के मार्गों पर दिन में ट्रकों की आवाजाही बंद है। सड़कों के किनारे ट्रकों की लंबी?लंबी लाइन लगी है। पूरे दिन वह सड़क किनारे खड़े रहते हैं। रात में उन्हें चलने की अनुमति मिलती है। इस प्रक्रिया से राष्ट्र की कितनी शक्ति व्यर्थ जाती है, इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

शिवरात्रि भगवान शिव का पर्व है। यह पर्व पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है। करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा कई ङ्कदिन चलती है। सड़कों पर कावड़ियों का रेला ही रेला दिखाई देता है। श्रद्धालु कांवड़ियों

को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध कराकर पुण्य लाभ पाने के लिए तत्पर रहतें हैं। ये कांवड़ियों मार्ग पर उनके खानेङ्कपीने की ठहरने आदि की निशुल्क व्यवस्था करते हैं। भंडारे लगाते हैं। यात्रा पर निकलने से पहले कावंड़िए तैयारी करते हैं। कांवड़, उसके सजाने आदि और अपनी यात्रा का सामान खरीदते हैं। अपने साथ चलने वाले वाहन किराए पर लेते हैं। इन पर किराए का म्युजिक सिस्टम लगाते हैं। कांवडिए की अलग तरह की भगवा रंग की टी शर्ट चल पड़ी। इसका ही अब लाखों रूपये का कारोबार बन गया। कांवड़ यात्रा से हजारों लोगों का रोजगार चलता है। इस यात्रा पर खरबों रूपये का बिजनेस होता है। इसलिए ये यात्रा होनी चाहिए। इस यात्रा की व्यवस्थाएं भी भव्य होनी चाहिए। कांवड़ियों की व्यापक सुरक्षा और बढ़िया मार्ग की व्यवस्था होनी चाहिए। जगह?जगह आपातकाल में इनके उपचार के प्रबंध हों । इनकी सुविधा के लिए कोई कसर उठकर नही रखी जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस व्यवस्था पर स्वंय नजर रखते हैं। वे कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा भी करते हैं।

उत्तर भारत में सावन की शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। कांवड़ यात्रा के कारण उत्तर भारत में यातायात बुरी तरह प्रभावित होता है। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार पिछले साल साढ़े चार करोड़ से ज्यादा शिवभक्त जल लेने हरिद्वार पंहुचे। 2023 में चार करोड़ श्रद्धालु आए थे। ये यात्रा अभी चल रही है, अनुमान है कि इस बार अकेले हरिद्वार से ही कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच करोड़ से ज्यादा हो जाएगी, किंतु कुछ स्थानों पर पूरे सावन कांवड़ चढ़ती हैं। श्रद्धालु के समूह हरिद्वार आते और जल लेकर अपने गंत्व्यों की ओर रवाना होते रहते हैं।

उत्तर भारत की इस कांवड़ यात्रा को देखते हुए उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा सरकार व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, किंतु यात्रा के समय ये सब व्यवस्थांए बौनी पड़ जाती हैं। इसी कारण कई जगह कांवड़ियों के हंगामा करने की सूचनाएं आती हैं। कुछ जगह तोड़फोड़ और आगजनी तक हो जाती है। इस सबका कारण यात्रा से कुछ पहले तैयारी करना है, जबकि इसके लिए पूरे साल तैयारी की जाती चाहिए। इसके लिए अलग से विभाग होना चाहिए, किंतु ऐसा होता नहीं।

केंद्र और राज्य सरकारों को कावंड़ियों की सुविधा के साथ आम आदमी की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यवस्था की जानी चाहिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान आम यातायात प्रभावित न हो। केंद्र एक्सप्रेस वे बना रहा है ताकि यातायात के किसी वाहन को परेशानी न हो। इसके लिए कांवड यात्रा वाले प्रदेश की सरकारों का केंद्र के साथ मिल बैठ कर प्लान करना चाहिए। कावंड यात्रा वाले मार्ग पहले ही इस तरह बनाए जांए कि उसकी साइड से आम यातायात सुगमता से अनवरत चलता रहे। कांवड यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के लिए पहले से ही दो अलग लेन बनाकर रखी जा सकती हैं। यात्रा के समय में इन पर कांवड़िए और उनके वाहन चलें, बाद में ये लेन आम ट्रैफिक के लिए प्रयोग हों। कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के आराम रूकने के स्थान पहले से चिंहित हों। स्थान ऐसे हों कि यहीं कांवड़ शिविर भी लग सकें।

1990 के आसपास कांवड़ यात्रा का इतना प्रचलन नहीं था। आज यह बढ़ता जा रहा है। अब साढे चार करोड़ के आसपास कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ ला रहे हैं। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए हो सकता है कि आने वाले कुछ सालों में यह संख्या बढ़कर दुगनी या उससे भी ज्यादा हो जाए। इसलिए हमें अभी से इसके लिए व्यवस्था बनानी होगी। प्लानिंग करनी होगी। हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हरिद्वार के लिए अतिरिक्त ट्रेन चलानी होंगी। कावंड़ यात्रा के समय आम यात्री को कांवडियों की भीड़ के कारण भारी परेशानी होती है। ट्रेन के साथङ्कसाथ इनकी संख्या को देखते हुए स्पेशल बसे चलाई जांए। कांवड़ यात्रा के कारण छात्रों की परेशानी को देखते हुए कई जगह स्कूल कॉलेज बंद करने पड़तें हैं। शहरों के स्थानीय निवासियों की गतिविधि और आवागमन प्रभावित होता है, व्यवस्था ऐसे बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी चले और उस क्षेत्र के आम निवासी की गतिविधि और दिनचर्या भी प्रभावित न हों। इस पार उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल सरकार ने हुडदंग करने वाले कांवड़ियों के विरूद्ध कार्रवाई शुरू की है। ये व्यवस्था तो पहले से होनी चाहिए। भगवान शिव के भक्तों को तो बहुत सरल और सौम्य होना होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बिहार वोटर लिस्ट मामला- पटना से लेकर दिल्ली तक हंगामा जारी, सुप्रीम कोर्ट से निकलेगा समाधान?

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर राज्य की राजधानी पटना से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक हंगामा जारी है। पटना में राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में विपक्षी इंडिया गठबंधन बिहार विधान सभा में लगातार इस मुद्दे को उठाकर एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। वहीं देश की राजधानी दिल्ली में भी इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों- लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा लगातर जारी है।

(संतोष कुमार पाठक)

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बिहार वोटर लिस्ट मामले को लेकर चल रहे घमासान के कारण 21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान, अब तक दोनों सदनों में कोई कामकाज नहीं हो पाया है। सदन की कार्यवाही हंगामे के कारण लगातर स्थगित की जा रही है।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर राज्य की राजधानी पटना से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक हंगामा जारी है। पटना में राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में विपक्षी इंडिया गठबंधन बिहार विधान सभा में लगातार इस मुद्दे को उठाकर एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। वहीं देश की राजधानी दिल्ली में भी इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों- लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा लगातर जारी है। मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इंडिया गठबंधन जोर-शोर से इस मामले को लगातार उठा रही है लेकिन सरकार का स्पष्ट तौर पर यह कहना है कि एसआईआर अभियान चुनाव आयोग चला रहा है तो वह आयोग की तरफ से सदन में जवाब कैसे दे सकती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बिहार वोटर लिस्ट मामले को लेकर चल रहे घमासान के कारण 21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान, अब तक दोनों सदनों में कोई कामकाज नहीं हो पाया है। सदन की कार्यवाही हंगामे के कारण लगातर स्थगित की जा रही है। सदन की कार्यवाही स्थगित होते ही विपक्षी सांसद बाहर आकर संसद भवन परिसर के अंदर ही बिहार वोटर लिस्ट मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगते हैं। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सहित इंडिया गठबंधन में शामिल दो दर्जन के लगभग राजनीतिक दलों के सांसद भी इस विरोध प्रदर्शन में नजर आ रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद तो विरोध में शामिल है ही लेकिन समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के नेतृत्व में जिस तरह से सपा के सांसद भी जोर-शोर से इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं,वह सरकार की चुनौतियां बढ़ाता हुआ नजर आ रहा है।

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश लगातार, सदन की कार्यवाही को चलाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के कारण इन दोनों को बार बार सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ रहा है।

सरकार और विपक्षी दलों के बीच जारी टकराव को देखते हुए अब सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट पर ही जाकर टिक गई है। लेकिन बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या वाकई सुप्रीम कोर्ट से समाधान का कोई रास्ता निकल पाएगा ? क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई ऐसा ठोस फैसला दे पाएगा,जिसे हर हाल में चुनाव आयोग को मानना भी पड़े और जिससे सभी राजनीतिक दल संतुष्ट भी हो जाए ?

यह सवाल इसलिए भी खड़ा हो रहा है क्योंकि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को मानने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में चलाए जा रहे एसआईआर अभियान के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 10 जुलाई को चुनाव आयोग को यह सुझाव दिया था कि वह वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए मांगे जा रहे मान्य 11 दस्तावेजों की सूची में आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करें। लेकिन चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में 21 जुलाई को दायर किए गए अपने जवाबी हलफनामे में शीर्ष अदालत के इस सुझाव को मानने से इनकार कर दिया। अपने जवाबी हलफनामे में चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है और कई हाई कोर्ट ने भी इस बात को माना है। आयोग ने 7 मार्च को सरकार द्वारा जारी किए गए एक प्रेस रिलीज का हवाला देते हुए (जिसमें केंद्र सरकार ने 5 करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड धारकों को हटाने की बात कही थी) दावा किया कि बड़े पैमाने पर फर्जी राशन कार्ड जारी किए गए हैं। वोटर कार्ड को मान्य दस्तावेजों की सूची में शामिल करने के सुझाव को भी खारिज करते हुए चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वोटर आईडी कार्ड केवल वोटर लिस्ट की मौजूदा स्थिति की जानकारी देता है। इसलिए इसे वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए पहचान साबित करने में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में यह भी दावा किया कि यह देखना उसका संवैधानिक अधिकार और दायित्व है कि मतदाता नागरिकता की आवश्यक शर्तें पूरी करते हैं या नहीं। हालांकि आयोग ने यह भी स्पष्ट करने का प्रयास किया कि वोटर के तौर पर अयोग्य ठहराए जाने के कारण किसी व्यक्ति की नागरिकता समाप्त नहीं होगी। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस तथ्य का खासतौर से जिक्र किया था। ऐसे में अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हुई है कि क्या देश की सर्वोच्च अदालत अगली सुनवाई में इस मामले पर कोई ठोस फैसला दे पाएगी जो आने वाले दिनों में एक उदाहरण का काम करें ? सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव के बहिष्कार तक करने के बारे में सोचने वाले बयान के मद्देनजर भी यह मामला बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। लोकतंत्र की आत्मा को जीवित बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को साबित करने के लिए इस मामले में एक ठोस फैसले का आना अब बहुत जरूरी हो गया है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5804

1	2	3	4		5	6	■
7				■	8		9
	■		■	10			
11	12		■		13		
14		■	15			■	
16		17		■	18	19	■
■	20		■	21	■	22	
■	■		23				■

संकेत: बाएं से दाएं

1. सितंबर 1927 के इस बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और प्रसिद्ध साहित्यकार ने जन्म लिया था इस साहित्यकार ने पूर्व प्रसारित धारावाहिक महाभारत की पटकथा लिखी थी (7)
7. हल्का बुखार, ज्वर अनुभूति (4)
8. वायु द्वारा उत्पन्न (3)
10. निरूत्तर, चुप, खामोश (2)
11. मानवीय, पौरूषेय, मानुषिका (3)
13. सियार, श्रृंगाल, निशामृग (3)
14. अभ्युदय काल, उन्नति के दिन , वैभव काल (2)
15. संगीत में स्वरों का राग सहित उच्चारण, संभाषण, लंबी तान (3)
16. इस अभिनेत्री ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)
18. तीन, तीसरा (संस्कृत)(2)
20. क्षमताहीन, जो थक चुका हो (2)
22. द्वेष (2)
23. हथेली पर जल लेकर मंत्रपूर्वक पढ़ते हुए पीना (4)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. वर्तमान दौर का यह शाहर मूलतःइंदौर का निवासी है (6)
2. डायमंड ज्वेल बीयरिंग, अनमोल रत्न (2)
3. रेडियों (वायरलेस) के आविष्कारक (4)
4. धागा, तंतु, बंदीजन, विजित दास (2)
5. जावक पत्र, इनडेंट, चालान पत्र (6)
6. कोटि, उत्पन्न, घटित, नवजात शिशु (2)
9. पाशबद्ध करना, ठिठुरना, मजबूती से पकड़ना (4)
12. वाराणसी से करीब 6 किमी उत्तरपूर्व में बौद्धों का एक तीर्थस्थल जिसे सारंगनाथ भी कहते है (4)
15. इंकम, जमा प्रविष्टि (2)
17. पूर्णिमा की रात को यह भी कहा जाता है (2)
19. भरोसा, विश्वास, ऐतबार (3)
21. अनुसंधान, इन्क्वायरी, जांचने की क्रिया या भाव (2)

वर्ग पहेली 5803 का हल

अ	मृ	ता	प्री	त	म	■	कौ
स	ग	र	■	र	ह	मा	न
मा	या	■	स	फ	ल	ता	■
न	■	आ	मा	दा	■	■	वि
ता	न	■	न	र	सौं	■	य
■	ज्ञ	न	ता	■	ठ	ग	ना
कु	सा	न	■	हां	■	ज	■
■	ना	द	ना	■	बा	रा	त

धनखड़ की निडरता और सक्रियता याद रहेगी

आचार्य श्रीहरि

जगदीप धनखड़ का इस्तीफा एक पहले बन गयी है। मिजाज से हटकर उनका इस्तीफा। मीडिया भी इस्तीफे की पहेली को भेदने में नाकामी हासिल की है, राजनीति भी इसके बंद पर्दे को खोलने में नाकाम रही है। मीडिया और राजनीति के लिए यह प्रसंग भी अटकलबाजियों जैसा रहा। जबकि सच्चाई यह है कि मीडिया और राजनीति ग्यारह सालों में नरेन्द्र मोदी के किसी भी नीति और कदम का राज न जान सकी और न ही उनके कदम का कोई चाकचैबंद अनुमान लगा सकी।

इस्तीफा देकर भागना उनका स्वभाव नहीं था। अचानक घटी अदृश्य घटनाएं इस्तीफा का कारण बनी हैं। लेकिन जितना आश्चर्यचकित करना वाला धनखड़ का इस्तीफा है उससे भी बढकर कांगेस और अन्य विपक्षी दलों का उमड़ा धनखड़ प्रेम है। धनखड को हटाने के लिए महाभियोग लाने वाली कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने धनखड के प्रति सहानुभूति जतायी है, उनके इस्तीफे के कारणों को लेकर आशंकाए भी जतायी है, पर्दे के पीछे घटी घटनाओं को जाहिर करने की मांग की है।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के दो पक्ष हैं जिनके पास रहस्य-पहली का राज है। पहला पक्ष खुद धनखड हैं जिनके पास वह सच्चाई है जिसके कारण उन्होंने इस्तीफा दिया या फिर इस्तीफा लिया गया। जबकि दूसरा पक्ष नरेन्द्र मोदी की सरकार है, नरेन्द्र मोदी का थींक टैंक ही जानती है कि धनखड से इस्तीफा क्यों लिया गया। हमारे जैसे स्वतत्र विचारकों का ख्याल और निष्कर्ष है कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया-कदम किसी भी परिस्थिति में नहीं है, स्वाभाविक तो माना ही नहीं जा सकता है। पर्दे के पीछे का कारण बहुत ही कठिन है, आश्चर्यचकित करने वाले कभी नहीं हैं, क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने अपने ग्यारह साल की सरकार की अवधि में किसी मंत्री को भी इस तरह से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा और न ही इस्तीफा देने के लिए बाध्य किया। मंत्रिमंडल विस्तार और कहीं अन्य जगहों पर उपयोग को ध्यान में ही रखकर किसी मंत्री से जगह खाली करायी गयी। धनखड़ का यह प्रकरण भविष्य मे अपना कमाल दिखा भी सकता है और राजनीति को प्रभावित भी कर सकता है।

धनखड़ की पहचान क्या थी? धनखड की उपलब्धियां क्या थी? धनखड़ को भविष्य में किस रूप में देखा जाना जा सकता है या फिर याद किया जा सकता है? नरेन्द्र मोदी के लिए धनखड कितना लाभ और कितना घाटे का दांव रहा है? इन सभी प्रश्नों का उत्तर तलाशना मुश्किल नहीं है। धनखड को जिन जिम्मेदारियों के लिए कहा गया या सौंपी गयी उन जिम्मेदारियों का निर्वाहन में उन्होंने हीलाहवाली नहीं की थी, अकर्मण्यता नहीं दिखायी थी, अयोग्यता नहीं दिखायी थी। रणछोड़ दास नहीं बने थे। निडरता दिखायी थी, वीरता दिखायी थी, आमने-सामने की लड़ाई लडी थी, संविधान और परमपरा को अपना हथियार बनाया था और अपने इसी हथियार से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वाह्न भी किया था। याद कीजिये उनकी राज्यपाल की जिम्मेदारी को, राज्यपाल की भूमिका को। राज्यपाल के रूप में उनकी जिम्मेदारी और भूमिका कोई असक्रिय नहीं थी, कोई ओझल नहीं थी, कोई रबर स्टाम्प वाली नहीं थी। वे एक सक्रिय और परिणामदायी भूमिका निभायी थी। राज्यपाल को ऐसे रबर स्टाम्प कहा जाता है, एक ऐसा मजबूर पद जो सिर्फ हस्ताक्षर कर सकता है, प्रस्तावित नियम-कानूनों पर वह निर्णायक कैंची नहीं चला सकता है। सबसे बडी बात पश्चिम बंगाल की राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर है। ममता बनर्जी की अराजक और निरंकुश भूमिका कौन नहीं जानता है।

आज का राशिफल

मेष

आज नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरे करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आपके काम को देखकर कार्यस्थल पर प्रमोशन को लेकर भी चर्चा की जा सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों का भी पूरा सहयोग मिलेगा जिससे आपका मन काम में लगा रहेगा।

वृष

आज आप पूरे उत्साह से हर काम को पूरा करेंगे और उसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में दोपहर के बाद आपके सभी काम धीरे-धीरे बनने लगेंगे। इससे मन प्रसन्न रहेगा और अगर कहीं लंबे समय से आपका पैसा फंसा हुआ था, तो वह भी अब वापस मिल सकता है। बिजनेस के मामले में कोई भी सौदा करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें।

मिथुन

आज आपको फाइनेंस से जुड़े फैसले लेने होंगे क्योंकि, आने वाले समय में आज ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिसके लिए आपको मेहनत करनी होगी। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बनाई जा सकती है और शाम को परिवार के सदस्यों के साथ शॉपिंग पर जाने का प्लान भी बन सकता है।

कर्क

आज बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार के मामले में कोई नई डील भी शर्तों के साथ प्राप्त हो सकती है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। आपकी रुचि ध्यान और अध्यात्म में भी बढ़ सकता ही।

सिंह

आज दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर सहकर्मी आपके टीमवर्क को देखकर हैरान रह जाएंगे और आपकी सराहना भी की जाएगी। साथ ही, आपको आसपास के लोगों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपको कुछ लोगों से प्रेरणा भी मिल सकती है, जिससे खुशी महसूस होगी।

कन्या

आज रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि बढ़ सकती है। लेकिन इसके लिए आपको इधर उधर की बातों को इग्नोर करके अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसी के चलते आपको धन कमाने के भी सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दिन में कुछ पैसों की तंगी हो सकती है, लेकिन शाम होते-होते वह दूर हो जाएगी।

तुला

आज नौकरी के मामले में आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में काम अच्छा चलेगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा। कार्यस्थल पर आपको अपने जरूरी दस्तावेजों को तैयार रखना होगा क्योंकि, इनकी जरूरत कभी भी पड़ सकती है। साथ ही, अपने आसपास के लोगों पर भी नजर बनाए रखें।

वृश्चिक

आज आपको अपनी योजनाओं को और विचारों पर अब अमल करने का मौका मिल सकता है। साथ ही, राजनीति में भी रुचि बढ़ सकती है। पैसों के मामले में आपको सावधान रहना होगा, अन्यथा किसी व्यक्ति के कारण आपको धन की हानि हो सकती है। आपको अपने निजी रिश्तों पर भी थोड़ा ध्यान देने की जरूरत हो सकती है।

धनु

आज दिन मेहनत भरा रह सकता है क्योंकि, कार्यस्थल पर अपने काम को पूरा करने में आपको ज्यादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन काम के सिलसिले में भाग दौड़ करने से आपको लाभ जरूर प्राप्त होगा। व्यापार के मामले में आपको अपनी प्रतिभा भर पर विश्वास रखना होगा। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

मकर

आज कानूनी दस्तावेज पर साइन करते समय सावधानी बरतनी होगी। पहले सभी चीजों को अच्छी तरह जांच ले और उसके बाद ही किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। आप कार्यक्षेत्र में अपने कामों को एक एक करके निपटाएंगे जिससे बहुत संतुष्टि महसूस होगी। साथ ही, घर के कुछ जरूरी काम निपटाने में भी आपका ज्यादा समय निकल सकता है।

कुंभ

आज किसी शुभ समाचार के इंतजार में रह सकते हैं। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से मेलजोल बढ़ाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। आपके बीच का प्रेम बढ़ेगा।

मीन

आज किसी बात को लेकर थोड़े परेशान रह सकते हैं। लेकिन दोपहर में वही वजह आपके आपको खुशी दे सकती है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर समझदारी से काम करने होंगे, तभी लाभ प्राप्त होगा। बुद्धि से जुड़े संबंधित कामों के अच्छे परिणाम आपको शाम तक प्राप्त हो सकते हैं। बिजनेस के मामले में किसी डील को फाइनल करने का काम कुछ वक्त टल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में एक साल के बच्चे ने कोबरा को काटा, सांप की हो गई मौत

बेतिया, एजेंसी। फुफकार मारते जहरीले कोबरा सांप को देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाते हैं। मगर बिहार के बेतिया से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक साल के बच्चे ने जहरीले कोबरा को दांत से काट दिया। इससे सांप की मौके पर ही मौत हो गई। सांप को काटने के कुछ घंटे बाद बच्चा भी बेहोश हो गया। घटना पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया प्रखंड के मोहच्छी बनकटवा गांव की है। बच्चे को बेहोशी की हालत में मझौलिया पीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेतिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सुनील साह का एक साल का बेटा गोविंदा शुक्रवार दोपहर को अपने घर में खेल रहा था। दादी मातेश्वरी देवी ने बताया कि इसी दौरान घर में दो फीट लंबा कोबरा सांप निकल आया। मासूम ने सांप को खिलौना समझकर उसे पकड़ लिया। फिर उसे दांत से काट दिया। इसके तुरंत बाद कोबरा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे ने काटकर सांप के दो टुकड़े भी कर दिए थे। बेतिया स्थित जीएमसीएच अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. दिवाकांत मिश्रा ने बताया कि बच्चे में जहर के कोई भी लक्षण नहीं हैं। फिलहाल उसका उपचार जारी है। बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस वाकये के बाद परिजन घबरा गए। वहीं, बच्चे के काटने से सांप की मौत पर लोग हैरानी जता रहे हैं।

रिटायरमेंट के बाद सरकारी पद नहीं करूंगा स्वीकार, सीजेआई गवई ने बताया आगे का प्लान

अमरावती, एजेंसी। देश के 52वें मुख्य न्यायधीश का पद संभाल रहे जस्टिस बी आर गवई ने शुक्रवार को कहा है कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। जस्टिस गवई ने बीते मई के महीने में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली थी। वहीं उनका कार्यकाल इस साल नवंबर में खत्म होने जा रहा है। सीजेआई शुक्रवार को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अपने पैतृक गांव दारापुर में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, ''मैंने फैसला कर लिया है कि सेवानिवृत्ति के बाद मैं कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। उन्होंने आगे भविष्य की योजना के बारे में भी बताया। सीजेआई ने कहा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद अपने होम टाउन में अधिक से अधिक समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, रिटायरेंट के बाद मुझे अधिक समय मिलेगा, इसलिए मैं दारापुर, अमरावती और नागपुर में अधिक समय बिताने का प्रयास करूंगा।'' इससे पहले जस्टिस गवई का पैतृक गांव में जोर शोर से स्वागत हुआ। सीजेआई ने यहां अपने पिता, केरल और बिहार के पूर्व राज्यपाल आर एस गवई के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिवार के कुछ सदस्यों के साथ उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। वहीं गवई ने दारापुर के रास्ते पर बनने वाले एक भव्य द्वार की आधारशिला भी रखी, जिसका नाम आर.एस. गवई के नाम पर रखा जाएगा। गौरतलब है कि 14 मई को चीफ जस्टिस पद की शपथ लेने वाले जस्टिस गवई देश के महज दूसरे दलित चीफ जस्टिस हैं। महाराष्ट्र में अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई 2003 में बॉम्बे हाईकोर्ट का हिस्सा बने थे। इसके बाद वे 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट के जज बने थे।

मराठी में बोलो, वरना राज ठाकरे आ जाएंगे, कॉलेज ग्रुप पर छात्र ने लिखा मैसेज; जमकर हुई पिटाई

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के एक कॉलेज के बाहर छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र ने कथित तौर पर एक व्हाट्सएप ग्रुप में अन्य छात्रों से मराठी में बात करने को कहा था और इस दौरान महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (स्व्हस-) के प्रमुख राज ठाकरे का नाम लिया। इस बात को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें छात्र को गंभीर चोटें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब एक कॉलेज व्हाट्सएप ग्रुप पर भाषा को लेकर बहस छिड़ गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार को कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप पर कुछ छात्र हिंदी में संदेश भेज रहे थे। इसी दौरान एक छात्र ने मराठी में जवाब दिया, मराठी में बोला करो, नहीं तो राज ठाकरे आ जाएंगे। यह टिप्पणी विवाद की वजह बन गई। गौरतलब है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे अकसर राज्य में मराठी भाषा और अस्मिता के मुद्दे को लेकर मुखर रहते हैं। हाल के दिनों में एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा ऐसे कई हमले किए गए हैं, जिनमें ठाणे में एक दुकानदार और नांदेड़ में एक सार्वजनिक शौचालय में काम करने वाले व्यक्ति पर हमले शामिल हैं। ताजा मामले में व्हाट्सएप ग्रुप पर शुरू हुई यह बहस अगले दिन और बढ़ गई। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे वाशी के एक कॉलेज के बाहर चार छात्रों ने मिलकर उस छात्र पर हमला कर दिया जिसने मराठी में बोलने की अपील की थी। हमलावरों में फैजान नाइक नामक एक छात्र ने पीड़ित छात्र के सिर पर हॉकी स्टिक से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वाशी डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त आदिनाथ बुधवंत ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा, दो समूहों के बीच झगड़े को लेकर वाशी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह विवाद व्हाट्सएप ग्रुप में हुई बहस के बाद उत्पन्न हुआ। शिकायतकर्ता को लकड़ी की छड़ी से पीटा गया है।

कौन लेगा धनखड़ की जगह? 5 राज्यों पर होगा फोकस, प्रधानमंत्री के मालदीव से लौटते ही बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। जगदीप धनखड़ के हालिया इस्तीफे के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुट गया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे से लौटने के बाद लिया जाएगा। एनडीए की एक अहम बैठक जल्द ही होने की संभावना है, जिसमें उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने ही किसी अनुभवी नेता को इस पद के लिए नामित करने की योजना बना रही है, जिसे गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन प्राप्त होगा। यहां खास बात ये है कि अगला उपराष्ट्रपति उम्मीदवार उन पांच राज्यों में से हो सकता है जहां अगले साल तक विधानसभा चुनाव होने हैं।

धनखड़ के इस्तीफे ने चौंकाया : जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका यह कदम चौंकाने वाला था, क्योंकि वह अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान कई बार विपक्षी दलों के साथ टकराव के कारण चर्चा में रहे। धनखड़ भारत के उन चुनिंदा उपराष्ट्रपतियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इस्तीफा दिया। इससे पहले केवल वी.वी. गिरी और आर. वेंकटरमण ही ऐसा कर चुके हैं।

एनडीए की मजबूत स्थिति : उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों से मिलकर बने निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। वर्तमान में इस निर्वाचक मंडल में कुल 782 सांसद हैं, जिनमें से एनडीए के पास लगभग 425 सांसदों का समर्थन है। यह स्पष्ट बहुमत एनडीए के उम्मीदवार को इस पद के लिए प्रबल दावेदार बनाता है। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी अपने संगठनात्मक और वैचारिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए एक ऐसे नेता को चुनना चाहती है, जिसके पास व्यापक राजनीतिक और विधायी अनुभव हो।

इन पांच राज्यों पर विशेष ध्यान : उपराष्ट्रपति को लेकर एनडीए की रणनीति में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखा जा रहा है। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में और अगले साल असम के अलावा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उम्मीदवार के चयन में चुनावी पहलुओं की भी भूमिका होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति उच्च सदन का पदेन सभापति होता है, जो संसद की कार्यवाही को आकार देने और इस प्रकार सरकार के एजेंडे को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण पद है।

संभावित उम्मीदवारों में कौन : हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक नाम सामने नहीं आया है, लेकिन चर्चा है कि राज्यसभा के उपसभापति व हृष्ट सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद हरिवंश एक नाम हो सकते हैं। वे 2020 से इस पद पर कार्यरत हैं और एक मजबूत दावेदार हो सकते हैं। उन्हें सरकार का विश्वास प्राप्त है और उनकी गैर-विवादास्पद छवि उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। लेकिन दूसरी तरफ इस तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं कि भाजपा इस बार अपने ही किसी अनुभवी नेता को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाएगी।

पीएम मोदी की वापसी का इंतजार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन के बाद वर्तमान में मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की और आठ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उनकी वापसी के बाद एनडीए की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा तेज होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीदवार की घोषणा अगले सप्ताह तक हो सकती है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति भी कर दी गई है। बीजेपी इस बार अपने ही किसी अनुभवी नेता को इस पद के लिए चुनना चाहती है, ताकि संगठन की विचारधारा और मूल्यों को मजबूती मिले। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीजेपी नए प्रयोगों से बचना चाहती है और अपने अनुभवी नेताओं के पूल में से ही उम्मीदवार का चयन करेगी। इस प्रक्रिया में सहयोगी दलों की सहमति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गठबंधन की एकजुटता बनी रहे।

जब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के विशेष कार्य अधिकारी आपस में भिड़ गए. जमकर हुई तू-तू मैं-मैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक की सियासत का आपसी तनाव शुक्रवार को दिल्ली में खुलकर सामने आ गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विशेष कार्य अधिकारी आपस में भिड़ गए। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कर्नाटक भवन में दोनों अधिकारियों के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हुई, जिसके बाद औपचारिक शिकायतें दर्ज की गईं और मामले की जांच की मांग उठी। सूत्रों के मुताबिक, यह टकराव मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी सी मोहन कुमार और उपमुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी एच अंजनेया के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि मोहन कुमार ने अंजनेया को सबके सामने धमकाते हुए कहा कि वह उन्हें मार सकते हैं। यह पूरी घटना अन्य सरकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में घटी। एच अंजनेया ने इस मामले में अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर और कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी राजनीश को एक औपचारिक शिकायत दी है। अपनी चिट्ठी में अंजनेया ने लिखा, अगर मेरे साथ कोई 'दुर्घटना' होती है तो इसके लिए मोहन कुमार जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोहन कुमार पहले भी एक व्यक्ति के साथ हिंसक व्यवहार कर चुके हैं। शिकायत में अंजनेया ने दावा किया, मुझे जूते से मारा गया, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाया जाए और मुझे न्याय मिले। उन्होंने विभागीय जांच की भी मांग की है। इस विवाद की शुरुआत एक मौखिक बहस से हुई थी, लेकिन मामला तब और बिगड़ गया जब कर्नाटक भवन की कुछ महिला कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री के अधिकारी एच अंजनेया पर अभद्र भाषा और अमर्यादित शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया।

नूंह-अलवर हाईवे बनेगा 4 लेन,निकलेंगे 2 बाईपास; 50 से ज्यादा गांवों को होगा फायदा

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले के लोगों के लिए अच्छी खबर है। नूंह-अलवर नेशनल हाईवे को फोर लेन बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सितंबर से इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसको लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन विभाग ने गुरुवार को टेंडर लगा दिया है। निर्माण करने वाली कंपनी का चयन होने के बाद इसका काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही दो बाईपास का भी निर्माण किया जाएगा। नूंह से अलवर सीमा तक करीब 48 किलोमीटर तक दोनों तरफ करीब 50 गांव लगते हैं। नूंह-अलवर नेशनल हाईवे को चार लेन बनाने का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में हाईवे को चार लेन बनाया जाएगा, उसके बाद नूंह से मालब और गांव भादस में प्रस्तावित बाईपास का निर्माण किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 440 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। इनमें से 310 करोड़ की लागत से हाईवे को चार लेन बनाने पर खर्च किया जाएगा। बाकी 130 करोड़ रुपये बाईपास के निर्माण कार्य पर खर्च किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल पहले चरण के निर्माण कार्य के लिए टेंडर लगाया गया है।

पिछड़े समाज को उनका हक दिलाने में कांग्रेस खरी नहीं उतरी, यह कोई नई बात नहीं है : मायावती

लखनऊ , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछड़े समाज से 'माफी' मांगते हुए, यह स्वीकार किया कि कांग्रेस और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से, पिछड़े वर्गों के लिए उतना काम नहीं किया जितना किया जाना चाहिए था। उन्होंने इसे अपनी गलती बताया है। इस मुद्दे पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि पिछड़े समाज को उनका हक दिलाने में कांग्रेस खरी नहीं उतरी, यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ और जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। बसपा मुखिया मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसा कि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्म-सम्मान व

स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) यहां बनानी पड़ी है। मायावती ने लिखा, कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है। वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आज़ादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। उन्होंने लिखा, इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है। राजनीतिक व आर्थिक तौर पर गुलाम व लाचार बनाए रखने के मामलों में सभी जातिवादी पार्टियाँ हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे रहे हैं, जबकि अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी सदा ही इन वर्गों की सच्ची हितैषी रही है और यूपी में चार बार बी.एस.पी. के नेतृत्व रही सरकार में सर्वसमाज के ग़रीबों, मज़लूमों के साथ-साथ बहुजन समाज के सभी लोगों के जान-माल व मज़हब की सुरक्षा व सम्मान तथा इनके हित एवं कल्याण की भी पूरी गारण्टी रही है।

सांवले रंग, खाना बनाने की आदतों पर तंज क्रूरता नहीं, 27 साल पुराने केस में पति को हाई कोर्ट ने दी राहत

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 27 साल पुराने केस में पति को राहत देते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि सांवले रंग और खाना बनाने की आदतों पर तंज कसना क्रूरता नहीं है। महाराष्ट्र के सतारा निवासी सदाशिव को पत्नी प्रेमा को आत्महत्या के लिए उकसाने और क्रूरता के मामले में सजा मिली थी। सेशन कोर्ट ने 1998 में पत्नी की मौत के बाद उसे दोषी माना था। इसके बाद पति सदाशिव रुपनवर ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

गायब हो गई थी पत्नी : शादी के पांच साल बाद सदाशिव की पत्नी प्रेमा अपनी ससुराल से जनवरी 1998 में गायब हो गई थी। बाद में उसका शव कुएं से बरामद हुआ था। प्रेमा के घरवालों की शिकायत पुलिस ने सदाशिव और उसके पिता पर केस दर्ज किया था। इन दोनों पर आरोप थे कि उनकी प्रताड़ना से तंग आकर प्रेमा ने अपनी जान दे दी। ट्रायल कोर्ट ने सदाशिव के पिता को छोड़ दिया, लेकिन उसे पत्नी पर क्रूरता के आरोप में एक साल और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच साल की सजा दी। उस वक्त सदाशिव 23 साल का था और चरवाहे का काम करता था। उसने उसी साल सजा के खिलाफ अपील की थी।

कोर्ट ने क्या कहा : केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस एसएम मोडक की सिंगल जज बेंच पाया किया कि उत्पीड़न के आरोप पति द्वारा अपनी पत्नी के काले रंग का मजाक उड़ाने और फिर से शादी करने की धमकी देने तक सीमित थे। वहीं, ससुर पर आरोप था कि उसने बहू के खाना पकाने के कौशल की आलोचना की। कोर्ट ने कहाकि इन्हें वैवाहिक जीवन के झगड़े कहा जा सकता है। ये घरेलू झगड़े हैं। यह ऐसा भी नहीं था कि इससे आत्महत्या को उकसावा मिले।

मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के जस्टिस ने कहा कि अभियोजन पक्ष सीधे तौर पर आरोपित उत्पीड़न और आत्महत्या के बीच संबंध स्थापित करने में विफल रहा। कोर्ट ने कहा कि उत्पीड़न हुआ था, लेकिन यह वह प्रकार का उत्पीड़न नहीं था जिसके कारण आपराधिक कानून को लागू किया जा सके। यह भी कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने और आत्महत्या दोनों को दोषसिद्धि के लिए स्वतंत्र रूप से साबित करना होगा। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आलोचना की कि उसने विवाहित महिला के प्रति क्रूरता के तहत दी गई व्याख्या का गलत उपयोग किया।

अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी, अब तक 3.6 लाख से अधिक लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर , एजेंसी। अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से जारी है। 22 दिनों में 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और पिछले 22 दिनों में 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इसके साथ ही 2,324 यात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 34 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 741 यात्रियों को लेकर सुबह 3:25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 58 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला 1,583 यात्रियों को लेकर सुबह 3:45 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने

सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं। तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

जाति सर्वे का असर, हर उप-जाति को मिलेगा विशेष लाभ, बड़ी तैयारी में तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में किए गए व्यापक जाति सर्वेक्षण के आधार पर एक अभूतपूर्व कदम उठाने की योजना बनाई है, जिसके तहत प्रत्येक उप-जाति के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लाभ और योजनाएं प्रदान की जाएंगी। जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर अब राज्य की 59 अनुसूचित जातियों (एससी) और 33 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं विशेष रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं को हर जाति और उपजाति की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक का ध्यान मुख्य रूप से सबसे बड़ी अनुसूचित जाति 'मडिगा' और उसके बाद 'माला' उपजाति पर केंद्रित रहा था, लेकिन नई रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि शेष 57 उपजातियां अब भी काफी पिछड़ी हुई हैं। इस आधार पर सरकार अब इन उपेक्षित जातियों के लिए 'कस्टमाइज्ड स्कीम्स' लागू करेगी। इसी तरह की योजनाएं 134 पिछड़ी जातियों (बीसी) की लगभग 50 उपजातियों के लिए भी तैयार की जाएंगी। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुधर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली 11 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार की गई 300 पन्नों की रिपोर्ट के बाद सामने आई है, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंपा गया।

डिप्टी सीएम ने दी जानकारी : राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क (वित्त एवं योजना, ऊर्जा मंत्री) ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं है, बल्कि यह हर समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की गहरी झलक देती है। हमें अब हर जाति और परिवार स्तर तक विशिष्ट समाधान तैयार करने होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जातियों की संख्यात्मक ताकत के आधार पर सरकार न केवल योजनाएं बनाएगी, बल्कि शिक्षा, रोजगार में आरक्षण, व्यक्तिगत वित्तीय सहायता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक में भी इसे ध्यान में रखा जाएगा- यहां तक कि मंडल और जिला परिषद की सीटों तक। कुछ चौंकाने वाले खुलासे भी जातिगत सर्वे में कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में पिछड़ी जातियों (बीसी) की जनसंख्या 56 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इसी आधार पर राज्य सरकार ने 11 जुलाई को दो विधेयक पारित किए थे- एक स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का, और दूसरा शिक्षा व रोजगार में 42 प्रतिशत आरक्षण देने का। इन विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा गया था। लेकिन सरकार को संकेत मिले कि राष्ट्रपति कार्यालय इन विधेयकों को मंजूरी नहीं देगा। इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और अन्य वरिष्ठ नेता दिल्ली रवाना हुए और एआईसीसी कार्यालय में प्रेजेंटेशन देकर दबाव बनाने की कोशिश की। इसके अलावा, एक और रोचक तथ्य यह रहा कि करीब 4 प्रतिशत लोगों ने खुद को 'जातिविहीन' घोषित किया है।

भारतीय खिलाड़ी ने संन्यास की कर दी घोषणा, इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए कुल इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने कहा है कि वह किसी दूसरी भूमिका में खेल के साथ जुड़ी रहेंगी। कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से

शादी करने वाली 32 साल की वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। वेदा कृष्णमूर्ति अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वुमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स के लिए खेला था। वह कर्नाटक और रेलवे की कप्तानी कर चुकी हैं। महिला टी-20 मैचों में किसी गैर-विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने का संयुक्त रिकॉर्ड उनके नाम है। वेदा पहले से ही कमेंट्री कर रही हैं। वेदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एक छोटे शहर की बड़े सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक, क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक और यादें दी हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। मेरे माता-पिता और भाई-बहनों, विशेषकर मेरी बहन को मेरी पहली टीम और मेरी ताकत बनने के लिए धन्यवाद। उन्होंने बीसीसीआई , केएससीए, रेलवे और केआईओसी, कोचों और कप्तानों को भी धन्यवाद दिया।

अरविंद चितांबरम बने 58वें बील शतरंज महोत्सव के उपविजेता

बील ,स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी। 58वें बील शतरंज महोत्सव के ग्रांडमास्टर ट्रायथलॉन में स्लोवेनिया के ग्रांडमास्टर व्लादिमीर फेडोसीव ने खिताब अपने नाम कर लिया है । अंतिम राउंड में

फेडोसीव ने यूएई के ग्रांड मास्टर सालेम सालेह को हराया, जबकि भारत के ग्रांडमास्टर अरविंद चितांबरम ने विश्व रैपिड चैंपियन रूस के वोलोदार मुरजिन से ड्रॉ खेला। दोनों खिलाड़ियों ने समान 28.5 अंक बनाए, पर फेडोसीव ने फ्रीस्टाइल शतरंज स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टाई-ब्रेक से खिताब जीता। अरविंद को दूसरा स्थान मिला। सालेम सालेह 24.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले चैलेंजर्स वर्ग में ग्रीस के ग्रांडमास्टर निकोलस थियोडोरू ने एक राउंड पहले ही खिताब अपने नाम कर लिया था। उन्होंने कुल 33.5 अंक हासिल किए। आर्मेनिया के अराम हाकोब्यान 28.5 अंकों के साथ दूसरे और कजाकिस्तान के रिनात जुमाबायेव 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उधर मास्टर्स टूर्नामेंट में भारत के पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन ग्रांडमास्टर कार्तिकेयन मुरली ने 10 में से 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया, जबकि ग्रांड मास्टर प्रणव आनंद 7.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

अनहत ने विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता; अटवाल सीनियर ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर अनहत जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनहत सिंह शुक्रवार को कैरो में विश्व

स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल सेमीफाइनल में मिस्र की नाडिएन एलहमामी से हार गईं जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में मिस्र की खिलाड़ी से 6-11, 12-14, 10-12 से हार गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही 17 वर्षीय अनहत 2010 में दीपिका पल्लीकल के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं थीं। अगर वह जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं।

टिम डेविड ने रचा इतिहास

महज 37 गेंदों में टी20 शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टिम डेविड ने तूफानी शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। टिम डेविड ने सेंट किट्स में महज 37 गेंदों में शतक पूरा किया।

इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। यह टिम डेविड का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला शतक रहा। वार्नर पार्क में टिम डेविड ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसके साथ वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी20 फिफ्टी जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्कस स्टोइनिस के नाम था, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप-2022 में श्रीलंका के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। इसके बाद टिम डेविड ने 37 गेंदों में शतक जड़ते हुए जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इंग्लिस ने छह सितंबर 2024 को स्कॉटलैंड के विरुद्ध 43 गेंदों में टी20 शतक पूरा किया था। टिम डेविड के टी20 रिकॉर्ड को देखें, तो दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 56 मुकाबलों में 36.19 की औसत के साथ 782 रन बनाए, जिसमें एक शतक के अलावा छह अर्धशतक भी शामिल हैं।

मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने चार विकेट खोकर 214 रन बनाए। मेजबान टीम के लिए शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए 57 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए, जिसमें छह छक्के और आठ चौके शामिल रहे।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टिम डेविड को नाबाद शतकीय पारी के चलते प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का शुरुआती मुकाबला तीन विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद उसने दूसरे टी20 मैच को आठ विकेट से जीता। 3-0 से लीड के साथ ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर अपना कब्जा कर चुका है।

आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि हर क्रिकेटर की मदद की: ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अपने करियर और आधुनिक क्रिकेट के स्वरूप को बदलने वाला एक शानदार मंच बताया है। अपनी आईपीएल जर्नी को याद करते हुए ब्रावो ने कहा कि यह लीग न केवल उन्हें, बल्कि दुनियाभर के क्रिकेटर्स को आर्थिक रूप से और स्किल्स को डेवलप करने के लिहाज से जबरदस्त फायदा पहुंचा चुकी है। आईपीएल ने पेशेवर क्रिकेट की दुनिया को एक नया आयाम दिया है।

ब्रावो ने कहा, आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि आज के हर क्रिकेटर की मदद की है, चाहे वह आर्थिक रूप से हो, या स्किल के स्तर पर। मुझे गर्व है कि मैंने दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी के लिए खेला और मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया। वह मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल इतिहास के सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल ब्रावो अपनी खास शैली, डेथ ओवर की गेंदबाजी में महारत और शानदार खेल के लिए जाने जाते हैं।

बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम सेफ नहीं!

जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, महिला वर्ल्ड कप और IPL मैचों पर संकट

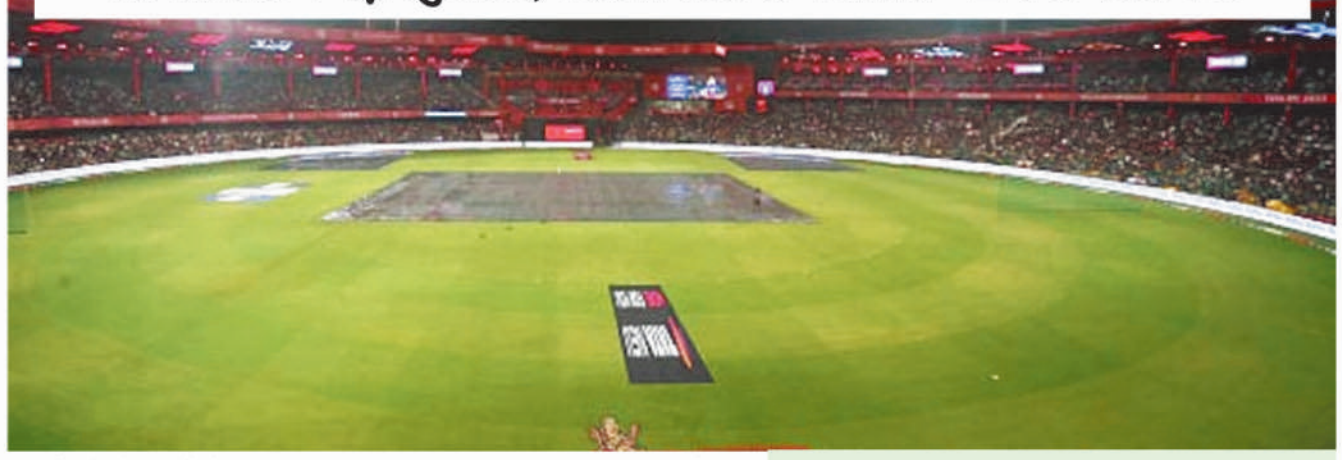

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी. विक्ट्री परेड के दौरान ही चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे. जबिक 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे. चिन्नास्वामी भगदड़ की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था.

इस न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट ने हाल ही में मंजूरी दी थी. न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. रिपोर्ट में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को बुनियादी रूप से असुरक्षित करार दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की मौजूदा संरचना बड़े आयोजनों के लिए अनुपयुक्त और खतरनाक है. स्टेडियम में ना तो पर्याप्त एंट्री/एग्जिट गेट्स हैं, ना ही इस स्टेडियम के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का आपातकालीन निकासी प्लान है.

स्टेडियम के आसपास की सड़कें काफी व्यस्त हैं.

वर्ल्ड कप और आईपीएल मैचों पर संशय!

चिन्नास्वामी स्टेडियम में महिला वर्ल्ड कप 2025 के कम से कम 4 मुकाबले होने हैं. अगर पाकिस्तानी टीम इस टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचती है तो खिताबी मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा. साथ ही चिन्नास्वामी स्टेडियम अगले साल आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और डब्ल्यूपीएल (वूमेन्स प्रीमियर लीग) मैचों की मेजबानी करने वाला है. हालांकि इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब इस वेन्य पर इंटरनेशनल और अन्य मुकाबलों के आयोजन पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है.

डीसी ओपन: सेमीफाइनल में एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में

वाशिंगटन, एजेंसी। मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में एम्मा रादुकानू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तीन साल बाद किसी डब्ल्यूटीए हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने मारिया सक्कारी को दो घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 7-5 से हराया, हालांकि मैच की शुरुआत में वह पिछड़ गई थीं।

यह वॉशिंगटन में रादुकानू का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके साथ ही सक्कारी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया है। अब रादुकानू का सामना रूस की अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। डब्ल्यूटीए में, कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराया। फर्नांडीज ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की और एक सेट प्वाइंट बचाकर 2021 यूएस ओपन में उपविजेता रहने के बाद अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में आसानी से हराया।

पुरुष वर्ग में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन का दिन भी जबरदस्त एक्शन से भरा रहा, जहां दो खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री की। बेन शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने एक जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए फ्रांसेस टियाफो को 7-6(2), 6-4 से शिकस्त दी। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आक्रामक फोरहैंड्स और बेखौफ सर्विंग से मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया। वॉशिंगटन में यह उनका लगातार दूसरा सेमीफाइनल है। इसके साथ ही उन्होंने नई करियर-हाई एटीपी रैंकिंग नंबर-7 भी पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में उनका सामना टेलर फ्रिट्ज और एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच मुकाबले के विजेता से होगा। दिन की एक और बड़ी चौंकाने वाली जीत फ्रांस के कोरेंटिन माउटे के नाम रही, जिन्होंने वर्ल्ड नंबर 14 डेनिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया।

फुटबॉल:

मेजर लीग सॉकर में हाईवोल्टेज ड्रामा, मेसी एक मैच के लिए निलंबित, उनकी टीम इंटर मियामी ने विरोध जताया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। लियोनेल मेसी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है।

इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। मेसी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेसी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं।

मास ने कहा कि क्लब ने मेसी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने का फैसला किया। एमएलएस के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति लिए बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता है।

मैनचेस्टर टेस्ट- भारत ने शून्य पर दो विकेट गंवाए

● जायसवाल-सुदर्शन का खाता भी नहीं खुला, वोक्स को लगातार 2 बॉल पर विकेट; इंग्लैंड 669/10

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम मुश्किल में है। इंडियन टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में शून्य पर दो विकेट गंवा दिए हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन बिना

खाता खोले पवेलियन लौट गए हैं। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन का स्कोर बनाया। यह ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में पारी का सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के 656/8 के स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा। जो कंगारू टीम ने 1964 में बनाया था। इस तरह इंग्लिश टीम को पहली पारी में 311 रन की बढ़त मिली थी। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने 141 रन बनाए, जबकि जो रूट ने 150 रन की पारी खेली। ओपनर बेन डकेट ने 94, जैक क्रॉली ने 84 और ओली पोप ने 71 रन बनाए। नंबर-8 के बैटर ब्रायडन कार्स ने 47 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने 4 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट अंशुल कम्बोज और मोहम्मद सिराज के खाते में आया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान

बाबर आजम बाहर

लाहौर, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज 2-1 से गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। पीसीबी ने दोनों सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा कर दी है।

टी20 टीम से एक बार फिर पूर्व कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को बाहर रखा गया है। वहीं, शाहीन अफरीदी की टी20 टीम में वापसी हुई है। अफरीदी के साथ ही हारिस रऊफ और हसन अली भी टी20 टीम में लौट आए हैं। इन तीनों की वापसी से पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम से बाहर रखना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी छोटे फॉर्मेट में इनसे आगे बढ़ने की सोच चुकी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजावन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच 14 दिसंबर 2024 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। सलमान अली आगा टी20 में कप्तान हैं तो वनडे में उपकप्तानहैं। वनडे में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी बरकरार है। फखर जमान वनडे और टी20 दोनों ही सीरीज में शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा और दाएं हाथ के गेंदबाज अहमद दानियाल को छोटे फॉर्मेट से बाहर कर दिया गया है।

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज 1 से 4 अगस्त के बीच फ्लोरिडा में खेली जानी है। वहीं, दोनों देशों के बीच 8 से 12 अगस्त तक वनडे सीरीज त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम:

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान (विकेट कीपर), सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम।

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान की वनडे टीम:

मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा (उप-कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

बहन-बेटियों के लिए सम्मान का प्रतीक है लाड़ली बहना योजना : डॉ. यादव

महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक समरसता और अधिकार सम्पन्नता के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

वर्ष 2028 तक बहनों को 3 हजार रूपए प्रतिमाह उपलब्ध कराए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बनाने के लिए दिलाया संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत महिला सम्मेलन को किया संबोधित

सतना जिले के सिंहपुर में हुआ कार्यक्रम

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सभी की अधिकार सम्पन्नता के लिए सामाजिक रचना के ताने-बाने में प्रत्येक स्तर पर आवश्यक योगदान दे रही है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसान, युवा, गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित हैं। हमारी संस्कृति में देश के लिए मातृत्व भाव विद्यमान है, हम सब भारत माता पर सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर हैं। आज का मातृशक्ति सम्मेलन- माताओं-बहनों के प्रति सनातन संस्कृति के अनुरूप अनन्य श्रद्धा-स्नेह-प्रेम और सम्मान का प्रकटीकरण है। भारत की कुटुम्ब या परिवार परम्परा हमारी संस्कृति को समृद्ध और सशक्त बनाती है। परिवार परम्परा का आधार मातृशक्ति ही है। बेटियां एक ही नहीं दो परिवारों का उद्धार करती हैं। बहन-बेटियों के प्रति इस सम्मान के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में लाड़ली बहना योजना आरंभ की गई। सावन के महीने में लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रूपए के साथ-साथ 250 रूपए अतिरिक्त रूप से आने वाले हैं। यह बहन-बेटियों प्रति हमारी सरकार का आदर और स्नेह है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को जारी की जाने वाली राशि में चरणबद्ध रूप से वृद्धि होगी और वर्ष 2028 तक बहनों को तीन हजार रूपए प्रतिमाह उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिए 1500 करोड़ रूपए से अधिक प्रतिमाह अंतरित किए जा रहे हैं। प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं। इनके मान-सम्मान और कल्याण के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। दीपावली के बाद आने वाली भाईदूज तक राज्य सरकार सभी लाड़ली बहनों को 1250 रुपए से बढ़ाकर हर माह 1500 रूपए सहायता राशि देगी। बहन-बेटियों के सशक्तिकरण के लिए स्व-सहायता समूहों का संचालन, नौकरियों और स्थानीय व नगरीय निकायों और पंचायतों में आरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी लोकसभा और विधानसभा में बहनों का 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। माताओं-बहनों के कल्याण के लिए ही सभी परिवारों को पक्के मकान, घर-घर गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दीदीयां लखपति बनकर प्रगति कर रही हैं, बेटियों के लिए शिक्षा की उचित व्यवस्था है, उन्हें साइकिलें उपलब्ध कराने के साथ-साथ परीक्षा में अच्छा परिणाम लाने पर प्रोत्साहन स्वरूप लेपटॉप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉक्टर-इंजीनियर बनने के लिए भी आवश्यक हरसंभव सहायता बेटियों को उपलब्ध है। उद्योगों में काम करने वाली बहनों के लिए भी राज्य सरकार विशेष सहायता प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जिन्दगी बदलने के लिए उन्हें बिजली में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सोलर पम्प पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। अगले डेढ़ माह में बरगी नहर का कार्य पूर्ण हो रहा है, इससे रीवा-सतना क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। हमारी सरकार ने हर खेत तक पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2002-03 तक केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविध उपलब्ध थी। वर्तमान में हम 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2028 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। प्रदेश में इस वर्ष 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया। अगले दो साल में संभवत: 2700 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से शीघ्र ही गरीबों के लिए 4 करोड़ आवास स्वीकृत होने वाले हैं, वर्ष 2028 तक 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन की व्यवस्था है, बच्चों की शिक्षा के लिए सांदिपनी विद्यालय जैसे स्कूल विद्यमान हैं, यह सब रामराज की संकल्पा को साकार करने के समान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार श्रीराम वन गमन पथ का निर्माण करा रही है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण ने जहां-जहां लीलाएं की हैं, वे स्थल तीर्थ के रूप में विकसित किए जाएंगे। किसानों की आय में वृद्धि के लिए गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है, इससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से परिवार के सभी सदस्यों को पर्याप्त पोषण भी उपलब्ध हो सकेगा। अत: सरकार घर-घर गौपालन को प्रोत्साहित करने के लिए 'जिसके घर गाय वह गोपाल' के भाव से कार्य कर रही है।

जिले में 750.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

पन्ना। जिले में इस वर्ष एक जून से 25 जुलाई की अवधि में 750.2 मिमी अर्थात् 29.5 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई है। अब तक वर्षामापी केन्द्र पन्ना में 779.1 मिमी, देवेन्द्रनगर में 754.3 मिमी, गुनौर में 813.1 मिमी, अमानगंज में 902.2 मिमी, पवई में 702 मिमी, सिमरिया में 502.4 मिमी, शाहनगर में 693 मिमी, रैपुरा में 734.6 मिमी और अजयगढ़ में 871 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने दी स्व. जीवनदास बागरी को श्रद्धांजलि

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सतना जिले के ग्राम हरदुआ पहुंचकर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के पितामह स्व. जीवनदास बागरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवगंत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की और शोक संतृप्त परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाया। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजय वर्गीय ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, उनके पिता श्री जयप्रताप बागरी एवं परिवार जन तथा सांसद श्री गणेश सिंह भी उपस्थित थे।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम 30 जुलाई को

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम आगामी 30 जुलाई को शाम 4 बजे आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को विभागवार चयनित विषयों से संबंधित तथा 100 दिवस से अधिक समयावधि की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया 93 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 232 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

सतना। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सिंहपुर में मातृ शक्ति उत्सव के कार्यक्रम में 93 करोड 19 लाख रुपए लागत के 232 कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन किया। इन कार्यों में 44 करोड़ 7 लाख 28 हजार रुपए लागत के 135 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार 49 करोड़ 11 लाख 80 हजार रुपए लागत के विभिन्न 97 कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक नागौद नागेंद्र सिंह, रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी भी उपस्थित थे।

जिला अस्पताल की सोनोग्राफी दो साल से बंद

अवैध रूप से संचालित डॉक्टर बागरी की ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर में मरीज के साथ हो रही लूट

एक हजार से लेकर पांच हजार तक वसूली जा रही राशि, डॉक्टरों को मिल रहा मोटा कमीशन

पन्ना। पन्ना जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर आम गरीबों के साथ लूट की जा रही है लोगों को जांच के नाम पर सोनोग्राफी सेंटर में भेजा जाता है तथा उनसे सोनोग्राफी सेंटर संचालक द्वारा मनमानी फीस ली जा रही है गौर तालाब है कि पन्ना जिला चिकित्सालय में विगत दो वर्ष पूर्व सोनोग्राफी मशीन बेहतर क्वालिटी की खरीदी गई थी जिसका कुछ दिन संचालन भी हुआ लेकिन उक्त सोनोग्राफी मशीन का वर्तमान समय में संचालन बंद है तथा कोई भी जिला अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन का संचालन करने वाला नहीं है जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि उसको संचालित करने के लिए डॉक्टर एवं ऑपरेटर नहीं है जिसका सीधा-सीधा फायदा निजी सोनोग्राफी संचालित करने वाले ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर के संचालक डॉक्टर पुष्पराज बागरी को मिल रहा हैं और अधिकांश डॉक्टर महिला डॉक्टर उन्हीं के पास सोनोग्राफी लिखकर भेजते हैं जिसमे डॉक्टर का कमीशन निश्चित है संबंधित सोनोग्राफी संचालक द्वारा आम लोगों से भारी भरकम फीस ली जा रही है एक हजार से लेकर पांच हजार तक की वसूली जा रहे हैं संबंधित सोनोग्राफी सेंटर में नियम का पालन भी नहीं किया जा रहा है तथा अनैतिक गतिविधियां भी संचालित होती है कही पर भी लिंग भ्रूण संबंधित प्रतिबंध के संबंध में लेख नहीं है पन्ना जैसे गरीब जिले के लोगों के साथ जांच संसाधनों के नाम पर भारी मनमानी चल रही है नियम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है संबंधित मामले में स्थानीय लोगों ने ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर की संचालक पुष्पराज बागरी पर कार्यवाही करने की मांग की है एक दिन में होती है एक सैकड़ा से अधिक सोनोग्राफी नहीं दी जाती मरीज को कोई रसीद शासन के राजस्व की हो रही है चोरी। उक्त सोनोग्राफी सेंटर में एक दिन में एक सैकड़ा से अधिक लोगों की अधिकांश महिलाओं की सोनोग्राफी की जाती है जिनसे भारी भरकम फीस ली जाती है लेकिन संबंधित लोगों को फीस लेने के बाद कोई रसीद नहीं दी जाती है।

इनका कहना है

आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है मैं पता करता हूं जिला अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन क्यों बंद है साथ ही संबंधित सोनोग्राफी सेंटर की जांच कर कर कार्यवाही कराऊंगा।

आर पी तिवारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला पन्ना।

खाद्य की कालाबाजारी और सेल्समेन की मनमानी के विरुद्ध किसानों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

पन्ना। जिले भी के देवेंद्र नगर तहसील के किसानों ने खाद्य वितरण विभाग को समिति में सेल्समेन द्वारा खाद किसानों को देने में आनाकानी करता है और अभद्रता पूर्ण बात करता है इतना ही नहीं महंगे दामों पर खाद दी गई जबकि बोरी में प्रिंट दाम से अधिक लोगों से पैसा लिया गया ऐसे किसान सैकड़ो की तादात में है यह मामला जिले में पहले ही नहीं ऐसे मामले जिले में अनेक बार किसानों ने विभाग से लेकर प्रशासन तक अवगत कराया इस बार किसानों ने ऑनलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई सैकड़ो की संख्या में आए किसानों ने जिला विपणन अधिकारी को भी ज्ञापन देते हुए सेल्समेन पटेल द्वारा की जा रही लूट की बात कहीं इसी प्रकार प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था जगदाहा क्या यही हाल है

अधिक दामों मेअधिक मूल्य में प्रदान की गई हैं तथा विक्रेता पर गाली गलौज करने का आरोप लगाया है ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक

अगस्त माह से दुकान किराया 2 हजार रुपए प्रतिमाह निर्धारित

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला चिकित्सालय पन्ना की रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी सहित सिविल सर्जन आलोक कुमार गुप्ता, सहायक प्रबंधक डॉ. दिव्या नागवंशी, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय व्यय एवं पूर्ण कार्यों के अनुमोदन सहित गत बैठक के पालन प्रतिवेदन पर विचार विमर्श किया गया। कलेक्टर श्री कुमार ने समिति की आय बढ़ाने के संबंध में उपस्थितजनों से सुझाव प्राप्त किए। वर्तमान में समिति के माध्यम से निर्मित 54 दुकानों के अतिरिक्त अन्य 8 दुकानों के निर्माण के संबंध में भी चर्चा की गई। जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व में सितंबर 2021 से निर्धारित दुकानों का प्रतिमाह किराया 1400 रुपए से बढ़ाकर आगामी 1 अगस्त से 2 हजार रुपए प्रतिमाह करने की बात कही। साथ ही प्रतिमाह नियमित रूप से किराया प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। अभी दुकानों का बकाया किराया 3 लाख रुपए से अधिक है। इस दौरान विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों, मरीजों की सुविधा के लिए क्रय सामग्री और अन्य आवश्यक कार्यों सहित आगामी निर्माण कार्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के इंजीनियर की देखरेख में कराने के निर्देश दिए। एम्बुलेंस एवं शव वाहन की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित जिला अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने टीम गठित कर जिला अस्पताल के सामने पार्किंग की बेहतर व्यवस्था संचालित करने, निर्धारित परिधि के बाहर फल एवं सब्जी विक्रय पर कार्यवाही एवं बोर्ड लगाने सहित असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही के निर्देश भी दिए। इसके अलावा नगर पालिका द्वारा नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाने और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में पदस्थ ऑडियोलॉजिस्ट की सेवाएं जिला अस्पताल में प्राप्त करने के संबंध में कहा। समिति की बैठक में आकस्मिक व्यय राशि को 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए करने का निर्णय भी लिया गया।

नशे में धुत्त बाईक सवार ने तीन लोगों को मारी टक्कर

पवई

कलेही मंदिर के पास दमोह-सागर मेन रोड साप्ताहिक बाजार में मोटरसाइकिल चालक अनिल सोनकर पिता अनारी सोनकर निवासी पवई ने तीन लोगों को टक्कर मारकर उन्हें पवई हॉस्पिटल पहुंचा दिया है। बाइक का नंबर एमपी 35 जेडए 2284 बताया गया है। बताया गया है कि पवई के माता कलेही मंदिर के पास सड़क में गलत तरीके से बाजार लगने से यहां भारी भीड़ और जाम की स्थिति रहती है। पन्ना कलेक्टर के निर्देशों के बाद भी नगर प्रशासन द्वारा साप्ताहिक बाजार लगाने की समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही, बताया गया है कि एक बाईक सवार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए हैं। घायल गेंदा आदिवासी ग्राम खमरिया, मोहम्मद रईस पिता इंगू सौदागर नन्ही पवई को अस्पताल पहुंचाया गया है।

सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने मिशन मोड में करें कार्य : मुख्य सचिव

पन्ना

सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की मुख्य सचिव अनुराग जैन ने गत बुधवार को समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को गोल्डन ऑवर में इलाज मिल सके, इसके लिए संबंधित विभाग मिलकर मिशन मोड में कार्य करें। दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने के सभी संभव प्रयास किये जाने चाहिये। संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर किया जाना चाहिये। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने तथा नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये और परिवहन, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करें। ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि नियत समय में कार्य हो सके। उन्होंने विभागों में बेहतर समन्वय तथा योजनाओं से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में योजना के क्रियान्यन के लिए विभागों के दायित्वों का निर्धारण करने के साथ सुझाव भी लिये गये।

जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण पर्व का होगा आयोजन, अधिकारियों को सौंपा दायित्व

पन्ना। संस्कृति विभाग द्वारा इस वर्ष भी जिला प्रशासन के सहयोग से जन्माष्टमी के अवसर पर आगामी 16-17 अगस्त को श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण पन्ना में श्री कृष्ण पर्व का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर सुरेश कुमार ने श्री कृष्ण पर्व के लिए जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के गरिमामय आयोजन के लिए पुलिस सहित अनुविभागीय दंडाधिकारी पन्ना, तहसीलदार पन्ना, मनरेगा परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी उमाशंकर मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी और थाना प्रभारी यातायात को जिम्मेवारी दी गई है। अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने सहित आमंत्रण पत्र वितरण, मंदिर प्रांगण में साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, लाउडस्पीकर एवं प्रमुख चौराहों इत्यादि पर होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर इत्यादि के माध्यम से प्रचार प्रसार तथा सुगम यातायात व पार्किंग व्यवस्था इत्यादि का दायित्व सौंपा गया है।

भूखंड आवंटन की लॉटरी प्रक्रिया निरस्त

पन्ना। म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग कार्यालय दमोह के संपदा अधिकारी आर.के. बाथम द्वारा प्राणनाथपुरम कॉलोनी पन्ना में विभिन्न प्रकार के भूखंडों की लॉटरी प्रक्रिया निरस्त होने के संबंध में सूचित किया गया है। बताया गया है कि उपलब्ध भूखंडों के अनुसार प्राप्त पंजीयन के चयन के लिए आगामी 28 एवं 29 जुलाई को श्री जगन्नाथ स्वामी टाउन हॉल पन्ना में लॉटरी का आयोजन किया जाना था। अपरिहार्य कारणों से लॉटरी प्रक्रिया निरस्त की गई है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 27 जुलाई 2025 | 8

सैनिक स्कूल रीवा में कारगिल दिवस पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना की डेयर डेविल टीम द्वारा अपने साहसी कारनामों से अतिथियों में ऊर्जा का संचार किया गया तथा सभी को देश प्रेम की भावनाओं से ओत प्रोत किया।

हमारे वीर सैनिक देश के आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी है: डॉ यादव

रीवा। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल रीवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीद सैनिकों के चित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले गनर श्री छोटे लाल सिंह की पत्नी श्रीमती विद्या देवी तथा नायक श्री कालू प्रसाद की पत्नी श्रीमती श्यामकली देवी को शाल और श्रीफल कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वीर सैनिक देश की आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी हैं। हमारी तीनों सेनाएँ मर्यादा में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। 1999 का कारगिल युद्ध अब तक का सबसे चुनौती पूर्ण युद्ध रहा है। दुश्मन ने छल से देश की सीमा के अंदर घुसपैठ कर ऊंचे स्थानों पर छिपकर हमला किया था। लेकिन 60 से अधिक दिनों तक चले इस चुनौती पूर्ण युद्ध में हमारी सेना ने अपने पुरूषार्थ और पराक्रम से असंभव से लगने वाले कार्य को भी संभव कर दिखाया। कारगिल युद्ध के दौरान हमें रोज नई वीर गाथाएँ सुनने को मिल रही थी। हमारे प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वीर सैनिकों ने हर कठिन चुनौती का सामना कर दुश्मन को मार भगाने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सशक्त हुआ है। यह देश का स्वर्णिम काल है। आज हमारी सेना अमेरिका और इजराइल की तरह अपने देश की सीमा के बाहर भी दुश्मनों को मारने में सक्षम है। सर्जिकल स्ट्राइक, विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने बता दिया है कि यदि आतंकवाद की घटनाएं नहीं रूकी तो उन्हें घर में घुसकर मारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के शौर्य और पराक्रम ने प्रत्येक देशवासी को गौरवान्वित किया है। सैनिक स्कूल के योगदान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज देश की थल सेना और नौ सेना का नेतृत्व करने वाले दोनों अध्यक्ष विन्ध्य के सपूत हैं और उनकी नींव सैनिक स्कूल में रखी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए शहादत देने वाले लोग बहुत ही पुण्यशाली होते हैं। पूरी निष्ठा से देश के विकास में अपना योगदान देना ही इन वीर शहीदों को सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। इस अवसर पर भारतीय सेना की डेयर डेविल टीम द्वारा अपने सहासिक कारनामों से अतिथियों में ऊर्जा का संचार किया गया तथा सभी को देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने भारतीय सेना के मोटर साइकिल अभियान वीरता के पहिये को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया।

उप मुख्यमंत्री कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारी सेना के शौर्य एवं पराक्रम को प्रदर्शित करता है। हमारी सेना ने दिखा दिया की जो हमारी तरफ आंख उठाने की हिम्मत करता है उसका हम मुंह तोड़ जवाब देते हैं। मानस भवन रीवा में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वीर नारियों का शाल और श्रीफल से सम्मान किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों की शहादत चिर स्मरणीय रहेगी और उनके अदम्य साहस का गुणगान हमेशा होता रहेगा। कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति सहित वीर सैनिकों के परिजन एवं भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगणों ने स्वर्गीय ब्राम्हानंद यादव को दी श्रद्धांजलि

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए रीवा पहुंचे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ यादव ने रीवा में अपने ससुर स्वर्गीय ब्राम्हानंद यादव के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन ने मनाया कारगिल विजय दिवस

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि देश की आन-बान-शान को बनाए रखने में विंध्य के सैनिकों ने अपना अदम्य साहस से देश की रक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि एवं शौर्य सम्मान समारोह में भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर उप मुख्यमंत्री ने विंध्य के शहीद सैनिकों को नमन किया और कहा कि उनकी शहादत हमें आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व सैनिक तथा बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अभूतपूर्व योगदान दिया है। विंध्य के हमारे सैनिक सपूत देश की धरोहर हैं। उन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए पूरे जोश के साथ

उप मुख्यमंत्री ने सिकल सेल परामर्श केन्द्र एवं पोषण मित्र केन्द्र का किया शुभारंभ

सिकल सेल एनीमिया की पहचान व इलाज में कारगर होगा केन्द्र : उप मुख्यमंत्री

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें समुचित चिकित्सा सुविधा एवं पोषण आर्गेनिक किट उपलब्ध कराने में किरण सेवा संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में किरण सेवा संस्थान, एनएचएम तथा गांधी मेमोरियल अस्पताल के मध्य एमओयू किया गया।

किरण सेवा संस्थान में सिकल सेल परामर्श एवं पोषण मित्र केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकल सेल को वर्ष 2030 तक प्रदेश से उन्मूलित किया जायेगा। रीवा जिले के साथ शहडोल जिले में भी किरण सेवा संस्थान ग्रामीण क्षेत्र तक सिकल सेल से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श व आर्गेनिक पोषण किट प्रदान करेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि पीड़ित मानवता का सेवा में शासन के साथ स्वयंसेवी संस्थाएँ भी आगे आयें। सिकल सेल रक्त में विकृतियों से होने वाली बीमारी है। इसका प्रकोप आदिवासी क्षेत्रों में अधिक होता है। सभी के समन्वित प्रयासों से इसका उन्मूलन किया जा सकेगा।

कार्यक्रम में डॉ. बीनू कुशवाहा ने बताया कि गांधी मेमोरियल अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में सिकल सेल के परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है। जेनेटिक लैब के प्रारंभ होने पर इसका संपूर्ण इलाज भी संभव हो जायेगा। कार्यक्रम में डॉ. अभय मिश्रा ने बताया कि किरण सेवा संस्थान द्वारा चिकित्सकों के माध्यम से निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा साथ ही उन्हें शत-प्रतिशत आर्गेनिक किट भी उपलब्ध कराई जायेगी। इस अवसर पर समाजसेवी अतुल जैन ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से रीवा में चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि हो रही है। इस केन्द्र के माध्यम से सिकल से पीड़ित मरीजों की पहचान कर इलाज मिलेगा। कार्यक्रम में श्री अनिरूद्धाचार्य, श्रीमती विमलेश मिश्रा, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शारदा मिश्रा सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

जिले में 25 जुलाई को 29.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 25 जुलाई को कुल 29.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 22.0 मिमी., बुढ़ार में 11 मिमी., गोहपारू में 25 मि.मी., जैतपुर में 87 मिमी, चन्नौड़ी में 20 मिमी., ब्यौहारी में 35 मिमी, जयसिंहनगर में 7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिलाओ को आर्थिक समृद्ध बनाने उनकी निजी भूमि पर विकसित किए जाएंगे फलोद्यान

शहडोल। महात्मा गांधी नरेगा अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में एक बगिया माँ के नाम 2,0 परियोजना के अन्तर्गत निजी भूमि पर उद्यानिकी पौधारोपण मानसून - सीजन 2025 में स्व सहायता समूह की पात्र महिला हितग्राही को पात्रता का परीक्षण मनरेगा के तहत एनुअल मास्टर सर्कुलर द्वारा निर्धारित मापदण्डो अनुसार किया जायेगा। यह परियोजना छोटे, मध्यम और सीमांत महिला कृषको की भूमि पर उद्यानिकी फसलो के रोपण को प्रोत्साहित करेगी, जिससे उत्पादन और विपणन से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पौधरोपण कार्य 15 अगस्त से 15 सितम्बर के मध्य किया जायेगा। एक बगिया माँ के नाम परियोजना अन्तर्गत आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिला सदस्य जो स्वयं की भूमि पर फलदार पौधारोपण की इच्छुक हो और जिनके पास न्यूनतम 0.5 एकड भूमि हो या भूमि नही होने की दशा में उस महिला के पति/ ससुर की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधारोपण किया जा सकेगा। न्यूनतम 0.5 एकड व अधिकतम 1 एकड भूमि पर ही पौधारोपण के कार्य किए जा सकेंगे। हितग्राही चयन एक बगिया माँ के नाम एप के माध्यम से किया जायेगा। जिसे मध्य प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम (एमपीएसईडीसी) ने विकसित किया है। इस ऐप पर आजीविका मिशन से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी समग्र आईडी से पंजीयन कराया है। हितग्राही चयन यथासंभव पौधारोपण फलोद्यान कलस्टर के रूप में किया जायेगा। फसल नुकसान की भरपाई और पौधों की देखरेख के लिए सरकार शुरुआती 3 साल तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी उसके बाद महिलाएं फलोद्यान से अपनी आय का सृजन करेंगी। एक बगिया माँ के नाम एप के माध्यम से चयनित हितग्राही की भूमि का परीक्षण सिपरी साफ्टवेयर के माध्यम से किये जाने का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री का रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर हुआ आत्मीय स्वागत

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना जिले के कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत हेलीकॉप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री का उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद श्री जनार्दन मिश्र एवं देवतालाब विधायक श्री गिरीश गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री का कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल एवं पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय भी रीवा पहुंचे। रीवा पहुंचने के उपरांत मुख्यमंत्री सतना में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

टीआरएस कालेज में कारगिल विजय दिवस पर संगोष्ठी, भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा में भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए छात्रों को राष्ट्रप्रेम, समर्पण और जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेन्द्र ताम्रकार, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति तथा विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के परियोजना अधिकारी श्री मुकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने किया एवं सह-संयोजन की भूमिका कैप्टन प्रो. रवीन्द्र धुर्वे ने निभाई।

महाविद्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा कि यह दिवस केवल सैन्य विजय नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, साहस और अनुशासन की मिसाल है। उन्होंने छात्रों से अपने जीवन में वीर सैनिकों जैसी दृढ़ता और समर्पण अपनाने का आह्वान किया और बताया कि महाविद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को प्रोत्साहित करता है। मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र ताम्रकार ने कारगिल युद्ध को भारतीय सैनिकों के बलिदान, रणनीति और देशभक्ति का गौरवपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध भारत की अस्मिता और अखंडता की रक्षा का संग्राम था। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अखिलेश शुक्ल ने युवाओं को कर्तव्यनिष्ठा और नैतिकता से कार्य करने की प्रेरणा दी और कहा कि विद्यार्थी यदि सैनिकों से प्रेरणा लें तो भारत आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बन सकता है। विशिष्ट अतिथि श्री मुकेश कुमार (परियोजना अधिकारी, सीबीआई) ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक पक्ष और वीर सैनिकों के बलिदान पर प्रकाश डाला और युवाओं से कर्तव्यपालन में निष्ठा रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नीलू त्रिपाठी (सीबीआई) की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अभय कुमार चौरसिया ने प्रथम स्थान, नंदिनी तिवारी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान अंकित पाण्डेय प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का विषय, ''भारतीय सेना का शौर्य: कारगिल युद्ध।''चित्रकला प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने क्रमशः प्रथम अर्पिता शुक्ला द्वितीय निशा अग्निहोत्री एवं तृतीय स्थान सतीश सिंह ने अर्जित कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें

शहडोल। जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है, पिछले 12 घण्टे से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश हो रही है, बारिश के कारण नदी, नाले उफान पर है या जल से स्तर लगातार बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने संयुक्त अपील के माध्यम से आमजन से अपील की है कि जब तक जरूरी नहीं हो तब तक अपने घरों में ही रहें। नदी, नालों या अन्य जलस्त्रोतों के पास नहीं जाएं, या दूर ही रहे, पानी अधिक होने की स्थिति में न तो स्वयं और न ही दूसरों को वाहन पास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833